शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 274 | गुवाहाटी | रविवार, 5 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हर कोई अपना योगदान देकर विकसित भारत का बन सकता है एंबेसडर : श्रीश्री — पेज 2

स्नैचिंग मामले में शामिल एक महिला समेत पांच गिरफ्तार — पेज 3

लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए मुस्लिमों को आरक्षण से निकालकर कोटा देने की... — पेज 5

भारत के 7 बैडमिंटन खिलाड़ियों को ओलिंपिक टिकट : तीन सिंगल्स... — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

प्रयत्न न करने से कार्य में विघ्न पड़ता है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अपहरण मामले में फंसे प्रज्वल के पिता एचडी रेवन्ना

कर्नाटक। जेडीएस नेता एचडी रेवन्ना को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने बेंगलुरु में एक दिन की हिरासत में ले लिया है। एचडी रेवन्ना यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पिता हैं। दरअसल, एक दिन पहले एसआईटी ने तलाशी अभियान चलाया था, यह तलाशी उस पीड़िता के बेटे की शिकायत के बाद की गई थी जिसके साथ प्रज्वल ने -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वी मिदनापुर में भाजपा-टीएमसी के कार्यकर्ता भिड़े

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। यह झड़प तामलुक लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार की नामांकन रैली के दौरान शुरू हुई। इस क्षेत्र से कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि सभी नागरिक पीएम मोदी का नाम लेकर सड़कों पर उतर आए हैं।

राजनीति का मतलब समन्वय है, संघर्ष नहीं : सोनोवाल

भाजपा सरकार की कल्याणकारी पहलों ने अल्पसंख्यक समुदायों को सशक्त बनाया

धुबड़ी। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज गौरीपुर और सापटग्राम में धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र से एनडीए समर्थित असम गण परिषद के उम्मीदवार जाबेद इस्लाम के लिए बड़े पैमाने पर चुनाव अभियान शुरू किया। सभा को संबोधित करते हुए, सोनोवाल ने लोगों से आने वाले दिनों में धुबड़ी के विकास को जारी रखने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को वोट देने का आग्रह किया और कहा कि एनडीए उम्मीदवार जाबेद इस्लाम की जीत व्यापक विकास की यात्रा को एक नई गति देगी। उन्होंने कहा कि जब भी मैं गौरीपुर जाता हूं, मैं प्रमथेश बरुआ, शीलभद्र, प्रतिमा बरुआ पांडे और पार्वती बरुआ जैसी कई प्रसिद्ध हस्तियों की स्मृति से प्रेरित होता हूं। आज, एनडीए समर्थित असम गण परिषद इस प्रसिद्ध गौरीपुर क्षेत्र में है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मैं श्री जाबेद इस्लाम के समर्थन में भाषा और धर्म के बावजूद जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों की अटूट प्रतिक्रिया से प्रभावित हूं। गौरीपुर के लोगों ने एक मजबूत एनडीए सरकार बनाने के लिए आज एकजुट प्रतिज्ञा ली है। अतीत में कांग्रेस सरकार की उदासीनता के कारण धुबड़ी की समृद्ध संसाधन क्षमता अप्रयुक्त रही। संसदीय क्षेत्र के लोगों को छह दशकों से अधिक समय तक विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ऐतिहासिक धुबड़ी बंदरगाह, जिसे कांग्रेस के कुप्रबंधन के दौरान उपेक्षित किया गया था। अब उचित ध्यान और निवेश प्राप्त हुआ है, जिससे पूरा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण आयात-निर्यात और व्यापार केंद्र बन गया है। कांग्रेस और एआईयूडीएफ एक ही सिक्के के पहलू हैं। दोनों पार्टियां लंबे समय से अल्पसंख्यक समुदाय को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर रही हैं। इसके विपरीत, मोदी सरकार ने अल्पसंख्यकों का वास्तविक सशक्तिकरण हासिल किया है। हमारी राजनीति का मतलब सद्भाव है, संघर्ष नहीं। उन्होंने कहा कि असम के गौरव ब्रह्मपुत्र, राष्ट्रीय जलमार्ग टू की विशाल क्षमता को उजागर करके मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

असम में मुस्लिम मदरसा खोलने पर सीएम ने दिया जवाब, कहा-

बैल से दूध की उम्मीद

गुवाहाटी। लोकसभा चुनाव से पहले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मुस्लिम लीडर बदरुद्दीन अजमल पर निशाना साधा है। शर्मा ने बदरुद्दीन अजमल के उस बयान पर जवाब दिया, जिसमें अजमल ने राज्य में सरकारी मदरसा खोलने की बात कही थी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि वह चार बार जन्म लेंगे फिर भी सरकारी मदरसों का उनका ख्वाब, ख्वाब ही रहेगा। हाल ही में एक रैली को खिताब करते हुए एआईयूडीएफ के चीफ बदरुद्दीन अजमल ने वादा किया था कि राज्य में सरकार बदलेगी तो राज्य में मदरसे खुलेंगे। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के चीफ बदरुद्दीन अजमल का जवाब देते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बदरुद्दीन अजमल का सरकारी मदरसों का ख्वाब कभी पूरा नहीं होगा। वह चार बार जन्म लेंगे तब भी पूरा नहीं होगा। राज्य सरकार ने जो किया है वह मुस्लमानों से बात करने के बाद किया है। बदरुद्दीन अजमल ने 24 अप्रैल को कहा था कि उनकी पार्टी असम में बंद हुए 750 मदरसों की भरपाई के लिए 700 -शेष पृष्ठ दो पर

भारी बारिश : डिमा हसाउ में अलर्ट जारी

हाफलांग। मौसम विभाग द्वारा अगले 10 दिनों में असम में भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद शनिवार को असम के डिमा हसाउ जिले में अलर्ट जारी किया गया, जिसमें लोगों को आपात स्थिति को छोड़कर बाहर नहीं निकलने के लिए कहा गया। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि एनएच-27 के जटिंगा-हरंगाजाओ खंड पर भारी वाणिज्यिक वाहनों की आवाजाही शनिवार रात 8 बजे से रोक दी जाएगी, साथ ही यातायात को वैकल्पिक मार्गों से मोड़ दिया जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

करीना कपूर को बनाया गया यूनिसेफ का नेशनल एंबेसडर

नई दिल्ली (हि.स.)। अभिनेत्री करीना कपूर को यूनिसेफ का नेशनल एंबेसडर बनाया गया है। शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में यूनिसेफ इंडिया के कार्यक्रम में करीना को राष्ट्रीय एम्बेसडर बनाया गया। इस मौके पर अभिनेत्री करीना कपूर ने कहा कि वे इस सम्मान को पाकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्मान को पाकर वो बहुत सम्मानित महसूस कर रही हैं। इसके लिए उन्होंने दस साल इंतजार किया है और सभी के साथ बहुत मेहनत की है। यह अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे मैं दिल से स्वीकार कर रही हूं। करीना ने आगे कहा कि हमने बाल अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने और सभी बच्चों के लिए समान भविष्य के लिए आवाज बनने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और दोहरा रहे हैं।

भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सीए की भूमिका अहम : धनखड़

नई दिल्ली (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने शनिवार को द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ऑफ इंडिया के नॉर्दन इंडिया रीजनल काउंसिल को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत की इकोनॉमी में ऐतिहासिक सुधार हुआ है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। हमारी सरकार ने एक देश एक टैक्स की नीति को आगे बढ़ाया है। नए टैक्स स्लैब की नीति बनाई है, जिसके तहत मध्यम एवं नौकरीपेशा वर्ग को सात लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कर से राहत मिली है। उद्यमियों को इंस्पेक्टर राज से छुटकारा मिला है। पारदर्शी टैक्स नीति से टैक्स -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल में वोटिंग से दो दिन पहले मचा हड़कंप

मुर्शिदाबाद में अलग-अलग जगहों पर मिले 16 बम

कोलकाता। तीसरे चरण के चुनाव से दो दिन पहले चुनावी हिंसा के लिए कुख्यात मुर्शिदाबाद के अलग-अलग इलाकों के श्मशान घाटों, स्कूलों, आईसीडीएस केंद्रों और खेल के मैदानों से कई बम बरामद किए गए हैं। साथ ही बम बनाने के मसाले भी मिले हैं। शनिवार को इलाके में काफी गहमा-गहमी रही। बमों को निष्क्रिय करने के लिए बम निरोधक दस्ते को सूचित किया गया। लेकिन चुनाव से ठीक पहले मुर्शिदाबाद केंद्र के विभिन्न इलाकों से बम बरामदगी से प्रशासन चिंतित है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शनिवार सुबह पुलिस ने रायपुर के खिदिरपाड़ा श्मशान घाट और डोमकल के निश्चिंतपुर फरजीपाड़ा इलाके में तलाशी अभियान चलाया जहां 16 बम मिले। पुलिस ने कहा कि नायलॉन बैग में प्लास्टिक की बाल्टियों में सॉकेट बम और बम बनाने के मसाले रखे हुए थे। आईसीडीएस केंद्र के पीछे से प्लास्टिक की थैलियों में पैक बम मिले। उन इलाकों में पुलिस बल तैनात कर बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया। बम बरामदगी की घटना से आम नागरिकों में दहशत है। तीसरे चरण में मुर्शिदाबाद जिले की दो सीटें जंगीपुर और मुर्शिदाबाद तथा पड़ोसी जिला मालदा उत्तर और दक्षिण सीट पर मंगलवार को वोट डाले जाएंगे। इन सीटों पर रविवार की शाम को चुनाव प्रचार थम जाएगा। उधर, बम बरामदगी के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। डोमकल आंचलिक कमेटी के सचिव मुस्तफिजुर रहमान ने कहा कि तृणमूल साजिश रच रही है। वे खुद -शेष पृष्ठ दो पर

पुंछ में वायुसेना के वाहन पर घात लगाकर हमला, पांच जवान घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक वाहन समेत दो वाहनों पर गोलीबारी की। इस हमले में पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमला शाम को शशिधर के पास हुआ जब वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर जा रहे थे। पांच जवान घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया। आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में मतदान से तीन हफ्ते पहले आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) सहित दो सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

पहचान पत्र नहीं होने पर पूर्व पीएम बोरिस को वोट डालने से रोका गया

लंदन (हि.स.)। पहचान पत्र नहीं लाने पर ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को देश के स्थानीय चुनावों में मतदान केंद्र से मतदान करने से रोक दिया गया जिसके कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। ब्रिटिश मीडिया की खबर के अनुसार गुरुवार को चुनाव के दौरान जॉनसन पहचान पत्र लाना भूल गए जिसके बाद दक्षिण ऑक्सफोर्डशायर में मतदान केंद्र के कर्मचारियों ने उनसे कहा कि वह पहचान पत्र के बिना मतदान नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की ए1 डिप्लोमेसी : ईरान की कैद से 17 भारतीयों को मिली आजादी

नई दिल्ली। एक बार फिर भारत ने बड़ी जीत अपने नाम की है। भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी पक्की कर ली है। अरब सागर में मौजूद वो जहाज जिसे ईरान ने अपने कब्जे में लिया था उस पर 17 हिंदुस्तानी सवार थे। अब खबर आई है कि सभी के सभी भारतीयों को अब ईरान ने आजाद कर दिया है। लंबे संघर्ष और बातचीत के कई दौर के बाद पूरे 17 भारतीय नागरिकों की रिहाई पक्की हो गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से लगातार ईरान के साथ संपर्क साधा गया था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद अपने समकक्ष ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन के साथ कई बार फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में शिप पर सवार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर जानकारी हासिल की गई। उनकी रिहाई को -शेष पृष्ठ दो पर

जाति जनगणना के बाद ज्यादा आबादी वाले मांगेंगे अपना हक : राहुल

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार आने पर अग्निवीर योजना खत्म की जाएगी। उन्होंने जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे लोगों को पता चलेगा कि हमारी आबादी कितनी है और फिर नई राजनीति शुरू होगी, जिसमें बड़ी आबादी वाले लोग अपने हक्क का पैसा मांगेंगे। राहुल गांधी ने दिल्ली के जवाहर भवन में युवाओं को लेकर आयोजित कार्यक्रम में उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि हमने अपने मेनिफेस्टो में -शेष पृष्ठ दो पर

इंडी गठबंधन अब वोट जिहाद का ले रहा सहारा : पीएम मोदी

गुमला (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शनिवार को गुमला जिले के सिसई में भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन अब एनडीए के खिलाफ वोट जिहाद का सहारा ले रहा है। साथ ही मोदी ने लोहरदगा के प्रत्याशी समीर उरांव और खूंटी के अर्जुन मुंडा सहित एनडीए के प्रत्याशियों के पक्ष में 13 मई को वोट करने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि राज्य में इंडी अलायंस भ्रष्टाचार में लिप्त है। माताएं और बहनें मेहनत से एक-एक रुपए जमा करती हैं लेकिन यहां कांग्रेस के एक सांसद के ही घर से नोटों के ढेर निकले। ये इतने बड़े थे कि मशीन लाए गए, जो हांफने भी लगे। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये पैसा किसका है? साथ ही कहा कि ये जनता का, उसके पसीने और हक का है। यहां के एक पूर्व मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामले में जेल में बंद हैं। कोर्ट भी कह रहा है कि चोरी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों के कारण देश में नक्सलवाद और माओवाद की समस्या बनी लेकिन उनकी सरकार ने देश के बड़े हिस्से को इससे मुक्त कराया। आतंकवादियों पर भी -शेष पृष्ठ दो पर

बाल न्याय की अवधारणा को बदलने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : सीजेआई

काठमांडू (हि.स.)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने बाल अपराधियों को सजा देने की बजाय सुधार और पुनर्स्थापना पर जोर दिया है। यहां शनिवार को जुवेनाइल जस्टिस पर आयोजित एक सेमिनार में सीजेआई ने जुवेनाइल मामले में न्याय प्रक्रिया में देरी होने पर चिंता जाहिर की। नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि चार महीने में ही अवयस्क आरोपित के मामले की सुनवाई और सजा का प्रावधान होने के बावजूद व्यवहार में यह संभव नहीं हो पाता है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हर कोई अपना योगदान देकर विकसित भारत का बन सकता है एंबेसडर : श्रीश्री

वाराणसी (हि.स.)। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक आध्यात्मिक गुरू श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि हममें से हर कोई अपना योगदान देकर गौरवान्वित विकसित भारत का एंबेसडर बन सकता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्र-निर्माण, विकास और प्रगति की इस भावना को बल देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम* का शुभारंभ किया है। प्रधानमंत्री का आह्वान है कि सभी को इस जन आंदोलन में शामिल होना चाहिए। और 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने में सहायता करनी चाहिए। आध्यात्मिक गुरू शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम परिसर स्थित त्र्यंबकेश्वर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने महिला नेतृत्व वाले विकास, महिला सशक्तिकरण, आध्यात्मिकता, व्यवसायिक और घरेलू जिम्मेदारियों के बीच नाजुक संतुलन पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति को सशक्त बनाने में वर्तमान सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। श्रीश्री रविशंकर ने 2047 तक भारत की विकसित भारत की यात्रा में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत में मातृ शक्ति का अहम योगदान है। मनुष्य रूप में हो या फिर देव, भगवानों के रूप में हर जगह महिलाओं को ही उच्च पद दिया जाता रहा है। आध्यात्मिक गुरू ने लोकसभा चुनाव में मतदान

में सभी को भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि मतदान करना आपका धर्म और पूजा है, मतदान से देश को मजबूती मिलती है। विकसित भारत एंबेसेडर के बैनर तले कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। विकसित भारत एंबेसडर के मुख्य सदस्य हितेश जैन ने सभा में विकसित भारत एंबेसडर पहल की शुरुआत की। कार्यक्रम की संयोजक नारी जागरण पत्रिका की संपादक मीना चौबे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों की महिला प्रोफेसर, डॉक्टर, चार्टर एकाउंटेंट, प्रिंसिपल, शिक्षाविद, विधि, कला, खेल, संगीत, नृत्य, उद्यमी, व्यापार क्षेत्र, एनजीओ से जुड़ी महिलाओं के साथ शहर दक्षिणी के विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, वैभव कपूर, अमित अग्रवाल,पूर्व महापौर मृदुला जायसवाल आदि की भी मौजूदगी रही।

लोकसभा चुनाव देखने के लिए भारत पहुंचे 23 देशों के प्रतिनिधि

नई दिल्ली (हि.स.)। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोकसभा चुनावों को प्रथमदृष्टया देखने के लिए 23 देशों के प्रतिनिधि भारत पहुंच गए हैं। आज से शुरू हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी प्रबंधन निकायों (ईएमबी) को भारत की चुनावी प्रणाली की बारीकियों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव के लिए अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से परिचित कराना है। चुनाव आयोग ने विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) से 75 अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों को आमंत्रित किया था। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि वह लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) के आयोजन के माध्यम से लगातार अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। आयोग ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू 5 मई को इन विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। इसके बाद, ये प्रतिनिधि छोटे-छोटे समूहों में छह राज्यों- महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की यात्रा पर निकलेंगे तथा वहां के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान और संबंधित तैयारियों का निरीक्षण करेंगे। यह कार्यक्रम 9 मई को समाप्त होगा। भागीदारी के पैमाने और परिमाण के मामले में यह ऐसा पहला आयोजन है। यह 23 देशों भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, फिजी, किर्गिज गणराज्य, रूस, मोल्दोवा, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इन 23 देशों के साथ इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के सदस्य और भूटान तथा इजराइल की मीडिया टीमें भी भाग लेंगी।

भाजपा ने बंगाल को बदनाम करने के लिए संदेशखाली की स्क्रिप्ट लिखी : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा पर संदेशखली घटना की पटकथा लिखने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस पर एक महिला द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के मुद्दे पर चुप क्यों हैं। नदिया के तेहट में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि संदेशखली की पूरी घटना पूर्व नियोजित थी। भाजपा ने इसकी अच्छी पटकथा लिखी थी। सच्चाई सामने आ गई है। मैं यह लंबे समय से कह रही हूं। बनर्जी ने कहा कि मैंने पूरा वीडियो नहीं देखा है। मैं इसे जरूर देखूंगी। उल्लेखनीय है कि शनिवार को, तृणमूल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि संदेशखाली प्रकरण लोकसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल को बदनाम करने की भाजपा की साजिश है।

भारत को जेनोफोबिक बताने पर जयशंकर ने दिया अमेरिकी राष्ट्रपति को करारा जवाब

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि भारत जैसे देश जेनोफोबिक हैं। इस बयान को खारिज करते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि देश विविध समाजों के लोगों के लिए खुला और स्वागत करने वाला रहा है। इकोनॉमिक टाइम्स से बात करते हुए जयशंकर ने इस आरोप का भी खंडन किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) भारत के स्वागत योग्य दृष्टिकोण को दर्शाता है। बाइडन द्वारा इस्तेमाल किए गए जेनोफोबिक शब्द का मतलब एक तरीके से डर को कहा जाता है, जो बाहरी लोगों को आने से रोकता है। दरअसल, 2 अप्रैल को, बाइडेन ने कहा था कि भारत, चीन, जापान और

रूस की जेनोफोबिक प्रकृति उनकी आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार है और तर्क दिया कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है क्योंकि वह अपनी धरती पर अप्रवासियों का स्वागत करता है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर देश आप्रवासन को अधिक अपनाते हैं तो रूस और चीन के साथ जापान आर्थिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करेगा। बाइडन मे कहा कि जापान, रूस और भारत को परेशानी क्यों हो रही है? क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं वे आप्रवासियों को नहीं चाहते। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) भारत के स्वागत योग्य दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। इसीलिए हमारे पास सीएए है, जो मुसीबत में फंसे लोगों के लिए एक अहम रास्ता होगा।

तमिलनाडु में कांग्रेस नेता का आधा जला हुआ शव खेत में मिला

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में शनिवार को एक जिला कांग्रेस नेता मृत पाया गया। पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। मृत पाए गए जिला कांग्रेस नेता की पहचान केपीके जयकुमार धनसिंह के रूप में हुई है। जिनका आधा जला हुआ शव खेल में मिला। पुलिस ने बताया कि केपीके जयकुमार धनसिंह का आधा जला हुआ शव उनके खेत में मिला। यह वारदात तब हुई जब हाल ही में पीड़ित ने अपनी जान को खतरा होने का दावा किया था। धनसिंह कांग्रेस की तिरुनेलवेली (पूर्व) इकाई के प्रमुख थे। मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने तीन विशेष टीमों का गठन किया है।

PRESS RELEASE

National Lok Adalat in Goalpara on 11th May, 2024

A National Lok Adalat will be organized in Goalpara District Judicial Court Campus on 11th May, 2024 (Saturday) from 10.00 am onwards by the District Legal Services Authority, Goalpara, as part of the National Lok Adalat to be held throughout the country on that day under the aegis of the National Legal Services Authority, where pre-litigation (Negotiable Instruments Act cases under section 138, money recovery cases, labour and employment dispute cases, electricity, water bills and other bill payment cases, maintenance cases etc.) and pending cases {Criminal compoundable offenses, Negotiable Instruments Act cases under section 138, money recovery cases, motor accident claims cases, labour and employment dispute cases, electricity, water bills and other bill payment cases, matrimonial disputes (excluding divorce), land acquisition cases pending before civil courts and tribunals, services matters relating to pay & allowances and retiral benefits, revenue cases pending in district courts and other civil cases such as rent, easmentary rights, injunction suits, specific performance suits etc.} will be taken up by several Lok Adalat benches comprising of a Judicial Officer and one or more conciliators for amicable settlement by consent of the parties. Court fees of pending cases settled in the Lok Adalat will be refunded to the litigants.

Notices to the parties concerned have already been issued requesting them to attend the Lok Adalat on the aforesaid date, time and venue. For further information, the office of the District Legal Services Authority, Goalpara may be reached via email at dlsagoalpara@gmail.com.

-- Janasanyog /D/583/24/5-May-24

Secretary
DLSA, Goalpara

पृष्ठ एक का शेष

राजनीति का मतलब...

सरकार के मजबूत प्रयासों के परिणामस्वरूप धुबड़ी को भारत-बांग्लादेश सीमा पर मुख्य बंदरगाह (आईबीपीआर) के रूप में महत्व मिला है। अब दुनिया की सबसे लंबी नदी क्रूज, गंगा की सफल यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण पारगमन बिंदु है, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में अशरिकांडी के प्रसिद्ध टेराकोटा उद्योग ने भी पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया है। एनडीए सरकार द्वारा की गई अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा पहलों का उल्लेख करते हुए, सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अथक प्रतिबद्धता की बदौलत उत्तर पूर्व भारत की आर्थिक वृद्धि का इंजन बन गया है। निर्माणाधीन धुबड़ी-फुलबारी पुल बनने जा रहा है। यह भारत का सबसे लंबा नदी पुल होगा। यह सड़क की दूरी को 205 किमी से घटाकर 19 किमी कर देगा। उत्तरी ग्रिड 49 अरब रुपए की लागत से हेरिटेज बिल्डिंग संरक्षण पर चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में तेजी लाएगा ढांचागत पहल दिखाई देगी।

बैल से दूध की ...

मदरसों को बनाएगी। उनके मुताबिक असम में मदरसे इसलिए बंद हुए क्योंकि भाजपा की कयादत वाली असम सरकार की तरफ से 2023 में सभी सरकारी मदरसों को बंद करके उन्हें पारंपरिक स्कूलों में बदल दिया गया। असम सरकार ने लगभग एक हजार मदरसों को बंद करने का इरादा किया है। इसके बाद असम के मुख्यमंत्री ने धुबड़ी में एक सभा को खिताब करते हुए बदरुद्दीन अजमल पर तीखा हमला बोला था। उनके मुताबिक अजमल को वोट देने का मतलब है बैल से दूध की उम्मीद। उनका वक्त खत्म हो गया है। उन्होंने यहां से कांग्रेस उम्मीदवार पर भी निशाना साधा था।

भारी बारिश : डिमा हसाउ ...

मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि रविवार से 15 मई तक जिले में भारी बारिश होगी। यह आम तौर पर सभी जनता से अपील है कि वे आपातकालीन या चिकित्सा प्रयोजनों के अलावा बारिश के दौरान बाहर न निकलें। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक सलाह में कहा कि जनता से अनुरोध है कि आपदा की स्थिति में उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति के मामले में सतर्क रहें। इसमें जिला आपातकालीन संचालन केंद्र के संपर्क नंबर, 03673-236324, 03673-1077 और 09435530412 भी साझा किए गए। मालूम हो कि डिमा हसाउ में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिला मुख्यालय हाफलांग में भी स्कूल बंद कर दिए गए।

भारत को दुनिया की ...

कलेक्शन में भारी बढोतरी हुई है। टैक्स से प्राप्त धन से गरीब कल्याण के कार्य हुए हैं। धनखड़ ने कहा कि देश की आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और गति देने में ढांचागत विकास की अहम भूमिका होती है। पिछले दस वर्षों में भाजपा की मोदी सरकार ने इस क्षेत्र को प्राथमिकता दी है। भाजपा के मैनिफेस्टो में भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनाने और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का मोदी जी ने संकल्प लिया है। इसमें आप जैसे अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञों का अनुभव देश को विकसित बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। भाजपा मैनिफेस्टो समिति सदस्य एवं दिल्ली प्रभारी धनखड़ ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में लगभग 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी देश की बेहतर इकोनॉमी की ओर इंगित करती है। उन्होंने कहा कि कृषि, उत्पाद, आईटी के अतिरिक्त सेवा क्षेत्र में बड़ी प्रगति हुई है। कोरोना काल में सेवा का क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ, खुशी की बात है कि भाजपा की केंद्र में मोदी सरकार की अच्छी नीतियों की वजह से सेवा के क्षेत्र ने भी गति पकड़ ली है। धनखड़ ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) का आह्वान करते हुए कहा कि भारत की प्रगति में आपका अग्रणी योगदान रहा है और रहेगा। आपने जिस ईमानदारी से देश की प्रगति में योगदान दिया है, भविष्य में भी देश इसी तरह आपसे उम्मीद करता है। आप पूरी ईमानदारी से देश के आर्थिक विकास में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएं और मोदी जी के संकल्प और हर भारतवासी के सपनों को साकार करते हुए भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएं।

मुर्शिदाबाद में अलग-अलग...

ही बम रखकर पुलिस को सूचना दे रहे हैं और विपक्ष के नाम पर झूठे मुकदमे बना रहे हैं। दूसरी ओर, तृणमूल डोमकल ब्लॉक अध्यक्ष हाजीकुल इस्लाम का कहना है कि हमें बिना खून-खराबे के चुनाव कराना है, यह हमारी बात है। लोग जमीनी स्तर का विकास देखेंगे और वोट देंगे। किसी को डराने की जरूरत नहीं है और *बम संस्कृति* असल में विपक्ष की है। वे यहां-वहां बम रखकर भ्रम फैला रहे हैं और पुलिस को सूचना दे रहे हैं। चुनाव की घोषणा के बाद से मुर्शिदाबाद लोकसभा के कई इलाकों में अशांति की घटनाएं हुई हैं। इसीलिए मुर्शिदाबाद पर आयोग की अतिरिक्त निगरानी है। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, तीसरे दौर के मतदान में मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बलों की संख्या भी सबसे ज्यादा होगी। जिले के दोनों लोकसभा क्षेत्रों के लिए सुरक्षा गार्डों की 190 कंपनियां तैनात की जाएंगी। इनमें मुर्शिदाबाद पुलिस जिले में 114 कंपनियां, जंगीपुर पुलिस जिले में 64 कंपनियां और कृष्णानगर पुलिस जिले में 12 कंपनियां होंगी।

पुंछ में वायुसेना के ...

वाहनों पर घात लगाकर हमला किया। इस हमले में पांच सैनिक घायल हो गए। पुंछ अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है जहां 25 मई को छठे चरण में मतदान होना है। वायुसेना ने अपनी एक्स पोस्ट पर कहा कि शाम को शशिधर के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना के एक वाहन सहित दो वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शाहसितार के पास आतंकवादियों ने भारतीय वायु सेना के वाहन काफिले पर हमला किया। स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि वाहन जिले के सुरनकोट इलाके में पास के सनाई टॉप की ओर जा रहे थे, उन्होंने आतंकवादियों के उसी समूह के शामिल होने का संदेह जताया, जिन्होंने पिछले साल 21 दिसंबर को बुफलियाज से सटे सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें चार सैनिक मारे गए थे और अन्य सैनिक घायल हुए थे। अधिकारियों ने कहा कि सेना के ट्रक को आतंकवादियों की गोलीबारी का सबसे बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ा, जो एके असॉल्ट राइफलों से लैस थे और माना जाता है कि वे पास के जंगलों में भाग गए थे। उन्होंने बताया कि सेना और पुलिस को इलाके में भेजा गया है और आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है। संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही के बारे में इनपुट मिलने के बाद अर्धसैनिक बलों की सहायता से पुलिस ने शुक्रवार से पुंछ शहर में तलाशी ली। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया। राजौरी और पुंछ क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में आतंक के नए केंद्र बन चुके हैं। आतंकी वारदात को अंजाम देकर घने जंगल में छिप जाते हैं। आशंका है कि आतंकियों ने घने जंगल के भीतर ठिकाने बना लिए हैं। यही वजह है कि सुरक्षाबलों को इस क्षेत्र में कोई बड़ी कामयाबी नहीं मिल पाई है।

भारत की ए1 डिप्लोमेसी...

लेकर ईरान से बात भी की थी। ईरान ने कहा है कि उसने पुर्तगाली ध्वज वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज के सभी चालक दल के सदस्यों को रिहा कर दिया है, जिसके 25 चालक दल में से 17 भारतीय थे। रानी रीडआउट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन ने अपने एस्टोनियाई समकक्ष मार्गस त्साहकना के साथ फोन पर बातचीत के दौरान जहाज के चालक दल की रिहाई का उल्लेख किया। इजरायल से जुड़े कंटेनर जहाज के 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से एकमात्र महिला कैडेट एन टेसा जोसेफ को 13 अप्रैल को ईरान की सेना द्वारा टैंकर को जब्त करने के कुछ दिनों बाद रिहा कर दिया गया था। ईरान के इस्लामी गणराज्य के क्षेत्रीय जल में जब्त किए गए पुर्तगाली जहाज और एस्टोनियाई चालक दल की रिहाई के संबंध में एस्टोनियाई पक्ष के अनुरोध के जवाब में अमीरबदोल्लाहियन ने कहा कि जहाज ने ईरान के जल क्षेत्र में अपने रडार को बंद कर दिया था और नेविगेशन की सुरक्षा को खतरे में डाला। जिसके बाद न्यायिक नियमों के तहत हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने मानवीय आधार पर पहले ही जहाज के सभी चालक दल के सदस्यों को रिहा कर दिया है, और यदि जहाज के कप्तान उनके साथ जाते हैं, तो एस्टोनियाई सहित चालक दल अपने देश लौट सकते हैं। ईरानी सेना द्वारा जहाज को जब्त करने के कुछ घंटों बाद, व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा था कि जहाज के चालक दल में भारतीय, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, रूसी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल थे।

जाति जनगणना के ...

लिख दिया है कि हम अग्निवीर स्कीम को खत्म कर देंगे। 01 लाख 50 हजार युवाओं ने आर्मी में जाने का एक सपना देखा था, वो सपना अभी पूरा नहीं हुआ है। इसलिए उनकी सोच है कि जिन 01 लाख 50 हजार युवाओं ने सेना की भर्ती प्रक्रिया पूरी की थी, उन्हें मुआवजा मिलना ही चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जातिगत जनगणना से पूरे देश को पता चल जाएगा, किसके पास कितना धन है। पिछड़ों के हाथ में कितना, दलितों और गरीब सामान्य जाति के हाथ में कितना धन है। उसके बाद नई राजनीति शुरू होगी। तब युवा ऐसे नहीं खड़े होंगे। तब यह कहेंगे मेरे 50 प्रतिशत लोग हैं। मेरा दो प्रतिशत धन है। मुझे 50 प्रतिशत धन चाहिए। यह हमारी सोच जाति जनगणना पहला कदम है। यह केवल जातिगत जनगणना नहीं होगा यह आर्थिक सर्वे होगा। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी ने 22 उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। अगर उनका कर्ज माफ हो सकता है तो देश के किसान, मजदूर, युवा का कर्ज क्यों नहीं माफ हो रहा है। क्या देश में 90 प्रतिशत आबादी की कोई भागीदारी नहीं है? आज हिंदुस्तान की सरकार को 90 अफसर चलाते हैं। इसमें केवल 3 अफसर ओबीसी वर्ग के हैं।

इंडी गठबंधन अब...

वोट बैंक के कारण कार्रवाई नहीं होती थी। यहां संथाल से लेकर दूसरे हिस्सों में घुसपैठियों को बढ़ावा देने का खेल रहा। पीएफआई अपना संगठन चला रहे। आदिवासी बेटियों के साथ अत्याचार किया जा रहा। जमीन के लिए आदिवासी बेटियों के साथ क्या-क्या नहीं किया जा रहा। जब लोग आवाज उठाते हैं तो वोट जिहाद की बात इंडी गठबंधन वाले करने लगे हैं। वो कितना भी जिहाद कर लें, मोदी डरने वाला नहीं। मोदी के रहते कोई आदिवासियों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। मोदी ने कहा कि एनडीए गठबंधन भ्रष्टाचार हटाओ की बात करता है जबकि इंडी वाले कहते हैं कि भ्रष्टाचार बचाओ। सभी दिल्ली और दूसरी जगहों पर इकट्ठे होते हैं। चुनाव के समय रैलियां कर रहे कि भ्रष्टाचारी बचाओ। मोदी ने गारंटी देते हुए कहा कि आने वाले पांच सालों में सभी भ्रष्टाचारियों पर कानून का डंडा चलेगा। इंडी गठबंधन वालों को आज भी बर्दाश्त नहीं कि एक गरीब मां का बेटा प्रधानमंत्री कैसे बन गया। वे रोज नया झूठ फैला रहे। अब कह रहे कि मोदी संविधान बदल देगा। वे मुर्खों के सरदार से कहना चाहते हैं कि वे 10 सालों से प्रधानमंत्री हैं लेकिन इतने सालों में उन्होंने ऐसा कोई पाप बाबा साहेब के संविधान के साथ नहीं किया है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने तो इंडी गठबंधन का नकाब उतार दिया है। अपने शासन काल में कांग्रेस भ्रष्टाचार, परिवारवाद की राह पर रहा। अब तो तुष्टिकरण की राह पर भी है। कांग्रेस जो चश्मा पहनती है, उससे उसे केवल एक ही वोट बैंक दिखता है- मुसलमान। भाजपा सबका साथ, सबका विकास की बात करती है। किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा, इसकी बात करती है। कांग्रेस को यह सब नहीं करना है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस वाले एससी, एसटी, ओबीसी को मिले आरक्षण पर डाका डालने में लगी है। संविधान जब बना तब बाबा साहब आंबेडकर ने तय किया था कि देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं मिलेगा। कांग्रेस आपका हक छीनकर मुसलमानों को आरक्षण का लाभ देने में लगी है। सभी को सतर्क रहना होगा लेकिन मोदी की गारंटी है कि जब तक वे जिंदा हैं तब तक दलित, आदिवासी, ओबीसी के आरक्षण में से रत्ती भर भी चोरी नहीं करने देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया तो कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले कहने लगे कि झाड़ू लगाने और शौचालय बनाने से क्या होगा? आज गांव-गांव देखिए, हालात बदले हैं। उन्होंने जब मोबाइल का डेटा सस्ता किया, गांव-गांव में कॉमन सर्विस सेंटर खोले और हर गांव तक इंटरनेट पहुंचाने की ठानी तो ये झामुमो वाले और कांग्रेस वाले कहते थे कि गांव वालों को इसका क्या फायदा? आज मेरे गांव का युवा सोशल मीडिया का हीरो है। कांग्रेस वालों ने इंटरनेट को अमीरों की चीज बना दिया था। मैंने इंटरनेट को गरीबों के घर पहुंचा दिया है। इस दौरान मंच पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व सांसद समीर उरांव, सुदर्शन भगत, अर्जुन मुंडा (केंद्रीय मंत्री), पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे।

बाल न्याय की अवधारणा ...

चीफ जस्टिस ने माना कि बाल आरोपितों के मामले में जितना अधिक समय लगता है, वह उनके मानसिक और सामाजिक स्थिति के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि बाल न्याय की अवधारणा को बदलने की आवश्यकता है, क्योंकि वर्तमान न्याय प्रणाली किसी भी दृष्टि से जुवेनाइल जस्टिस के अनुकूल नहीं है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि 18 साल से कम उम्र के बाल आरोपितों को थाने से लेकर बाल सुधार केंद्र तक में जिस तरह से उन्हें रखा जाता है या जिस माहौल में रखा जाता है, उससे उनकी मानसिकता पर प्रतिकूल असर होता है। उन्होंने कहा कि बाल आरोपितों को शुरू से ही अलग तरह से केस को हैंडल करने और जुवेनाइल कोर्ट तक में होने वाली सुनवाई की प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। नेपाल में जुवेनाइल जस्टिस पर किए गए कुछ फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए चीफ जस्टिस ने कहा कि इन फैसलों से हमें भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत में एक ही तरह के सामाजिक संरचना है, इसलिए जुवेनाइल जस्टिस मामले में हम एक दूसरे के अनुभव को साझा कर उसका प्रयोग कर सकते हैं। बाल अपराध में इन दिनों साइबर और इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्रियों का बहुत ही गहरा असर पड़ने की बात कहते हुए चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि इसके कारण बाल आरोपितों और अपराधियों के मनोवैज्ञानिक संरक्षण की बहुत ही आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आपत्तिजनक सामग्रियों को इंटरनेट से हटाने के लिए कानूनी तौर पर गम्भीर कदम उठाने की आवश्यकता है। जस्डिस चंद्रचूड़ ने कहा कि यह सिर्फ न्यायपालिका और सरकार का काम नहीं है, बल्कि समाज को भी इसमें सहभागी होना होगा, तब जाकर बच्चों पर पड़ रहे इसके नकारात्मक प्रभाव को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में सहभागी होने से पहले चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने आज सुबह अपनी पत्नी के साथ पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा अर्चना में सहभागी हुए। पशुपतिनाथ मंदिर में सुबह होने वाली विशेष पूजा में सहभागी होने के बाद बाहर निकलते पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि आज भगवान पशुपतिनाथ का दर्शन हुआ। उन्होंने कहा कि वो पशुपतिनाथ मंदिर में आकर नतमस्तक हैं। यहां विशेष पूजा कराने के लिए उन्होंने पशुपति क्षेत्र विकास कोष के प्रति आभार व्यक्त किया।

अपहरण मामले में ...

वायरल वीडियो में यौन उत्पीड़न किया था। पीड़ित महिला के बेटे ने आरोप लगाया है कि उसकी मां का अपहरण कर लिया गया है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि प्रज्वल के पिता और जेडीएस विधायक एचडी रेवन्ना के कहने पर उसकी मां (महिला) को प्रज्वल के खिलाफ गवाही देने से रोकने के लिए ऐसा कर किया है।

पहचान पत्र नहीं ...

कर सकते। जॉनसन 2019 से 2022 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे थे। जानकारी अनुसार जॉनसन ने हालांकि बाद में मतदान किया और उन्होंने कंजर्वेटिव पार्टी को वोट दिया।जॉनसन ने ही मतदान करने के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने संबंधी एक कानून की 2022 में शुरुआत की थी और नया कानून पहली बार पिछले साल स्थानीय चुनावों में लागू किया गया था। निर्वाचन आयोग ने कहा कि ज्यादातर लोग नए कानून का पालन कर रहे हैं लेकिन कुछ लोगों ने इसलिए मतदान नहीं किया क्योंकि उनके पास पहचान पत्र नहीं था।

वशिष्ठ पुलिस ने कार चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

गुवाहाटी। वशिष्ठ पुलिस ने कार चोरों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है। बाक्सा जिले के दरकुची से चार लुटेरों को गिरफ्तार किया गया। कार चोर गिरोह से चोरी की बोलेरो पिकअप गाड़ी बरामद की गई। गाड़ी का नंबर एएस 01 एसयूसी था। लुटेरों की पहचान बारपेटा के ताहिर अली, सुना मिया, मोहर अली और नुरुल इस्लाम के रूप में हुई। लुटेरों ने कल दोपहर वशिष्ठ के भेटापाड़ा में विद्या मंदिर रोड से सुबोध गिरी की गाड़ी चुरा ली लुटेरों ने वाहन की लाइसेंस प्लेट बदल दी लेकिन 24 घंटे से भी कम समय में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

स्नैचिंग मामले में शामिल एक महिला समेत पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने स्नैचिंग मामले में शामिल एक महिला समेत पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि 24 अप्रैल को एक महिला ने हमें फोन पर सूचना दी कि दिसपुर थाना अंतर्गत सर्वे समन्वय पथ पर बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर आए दो लड़कों ने उसका बैग छीन लिया, जिसमें मोबाइल फोन और 200 रुपए नकद थे। उसकी जानकारी सीमित थी क्योंकि, वह अपराधी और स्कूटी का कोई विवरण नहीं दे सकी। आरोप के आधार पर दिसपुर पीएस केस 352/24 यू/एस 356/379/323 आईपीसी दर्ज किया गया और तुरंत जांच की गई। तकनीकी विश्लेषण और खुफिया जानकारी के आधार पर, दिसपुर पीएस की

एक टीम और पूर्वी पुलिस जिले की एसओजी टीम ने गुवाहाटी और तामुलपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया अभियान के दौरान एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रूपम अली (18, मिलानपुर, मोरीगांव), दीपक बर्मन (18, तामुलपुर), राहुल सूत्रधर (21, बारपेटा), निशा बर्मन (38, तामुलपुर) और राहुल दास (32, तामुलपुर) के रुप में की गई है। गिरफ्तार आरोपितों में से रूपम अली इससे पहले भी दिसपुर और वशिष्ठ पुलिस द्वारा आपराधिक मामलों में गिरफ्तार होने के बाद जेल जा चुका है। रूपम अली, दीपक बर्मन और राहुल सूत्रधर गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में स्नैचिंग किया करते थे। पूछताछ में यह बात सामने आई है कि वे गुवाहाटी में फोन आदि की छिनताई को अंजाम देने के बाद उसी दिन तमुलपुर इलाके में आरोपी राहुल दास को बेच देते थे। आरोपी राहुल दास तामुलपुर जिले में एक दुकान चलाता है जहां से वह कई ग्राहकों को चोरी किए गए फोन बेचा करता था। गुवाहाटी और तामुलपुर इलाके में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान कुल 49 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, उनके कब्जे से दो स्कूटी भी बरामद की गई हैं। दोनों स्कूटी चोरी की पाई गई हैं, जिसमें भारलुमुख पीएस केस नंबर 51/2024 अंडर सेक्शन 379 आईपीसी और गीतानगर पीएस केस नंबर 97/2024 धारा 379 आईपीसी के तहत मामला पंजीकृत है। पूछताछ के दौरान कुछ और नामों का खुलासा हुआ है, पुलिस उन्हें भी पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है ।

रंगिया में दो ट्रकों में लदे अवैध लकड़ी सहित तीन गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। प्रदेश में लकड़ी की तस्करी जारी है। बाइहाटा चाराली पुलिस ने नियमित तलाशी के दौरान तस्करी की लकड़ियों से भरे दो ट्रक जब्त किए हैं। एएस 01-सी-4622 और एएस-26-एसी 1409 नंबर के ट्रकों से लकड़ी को अरुणाचल से नलबाड़ी पहुंचाया जा रहा था। पुलिस ने दोनों ट्रकों को लकड़ी के साथ जब्त कर लिया क्योंकि वे किसी भी तरह का कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। दोनो ट्रकों के दो चालकों और एक सहायक को भी गिरफ्तार किया गया और आज अदालत में पेश किया गया की जानकारी मिली है।

मणिपुर पुलिस ने 156 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 156 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 71 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 129 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

एनडीए पार्थी जयंत बसुमतारी के समर्थन में मंत्री अशोक सिंगल का चुनाव सभा आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ एक नंबर लोकसभा क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार जयंत बसुमतारी के समर्थन में चुनाव प्रचार के लिए आज हेलीकाप्टर से राज्य के मंत्री अशोक सिंगल ने कराइटरी वीसीडीसी के तहत संदलाटारी पहुचे। जहां उन्होंने जोरदार चुनावर प्रचार किया। इस दौरान कराइटरी वीसीडीसी अध्यक्ष मोनोवार हुसैन, गोरीया-मोरिया जातीय परिषद के कोकराझाड़ जिला अध्यक्ष सलीम पाटगिरी के साथ विधायक और कई बीजीपी नेता उपस्थित थे। इस मौके आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए यूपीपीएल उम्मीदवार जयंत बसुमतारी को वोट देने के लिए आम लोगों से मंत्री ने आग्रह किया और इस जनसभा के माध्यम से उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए प्रार्थी कोकराझाड़ लोकसभा सीट जीत तय है।

पूर्वोत्तर के चार राज्यों में मौसम विभाग का ऑरेंज अलर्ट जारी

गुवाहाटी (हिंस)। मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वोत्तर के चार राज्यों मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और मणिपुर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटों में इन चारों राज्यों में भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार इन चारों राज्यों में 115.5 से 204.4 मिमी वर्षा हो सकती है। साथ ही असम में चक्रवाती तूफान आने की भी संभावना जताई गई है। विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पूर्वोत्तर राज्यों में वर्षा, बर्फबारी के साथ-साथ छिटपुट गरज, बिजली गिरने और तेज हवाएं 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की संभावना जताई गई है।

एसएसबी, रंगिया ने किया दुर्लभ प्रजाति के छिपकली को रेस्क्यू

रंगिया (निसं)। 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया की सीमा चौकी बिमलानगर ने वन विभाग कुमारीकाटा के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान के दौरान बाल्टी नदी के समीप गांव-बागुरीखुटी-2, थाना व जिला-तामुलपुर में भारत-भूटान सीमा पर एक दुर्लभ छिपकली टोके गेको का रेस्क्यू किया। ततपश्चात उद्धार किए गए दुर्लभ छिपकली टोके गेको को वन विभाग कुमारीकाटा को सुपुर्द कर दिया गया। 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा के अपने कर्तव्य के निर्वाह हेतु निरंतर इस प्रकार के अभियान चला रही है। 24वीं वाहिनी एसएसबी रंगिया द्वारा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से उनके साथ निरंतर बैठक कर उन्हें किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि या अवैध तस्करी देखे जाने पर नजदीकी एसएसबी सीमा चौकी या वाहिनी मुख्यालय को सूचित करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इंफाल में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हर दिन हथियार और गोला बारूद बरामद हो रहे हैं। खासकर म्यांमार के सीमावर्ती जिलों में हथियार और गोला बारूद के साथ-साथ नशीले पदार्थों की भी व्यापक पैमाने पर हर दिन बरामदगी हो रही है। मणिपुर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व किया गया। तलाशी अभियान के दौरान खाली मैगजीन के साथ एक सीएमजी, खाली मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, चार एचई-36 ग्रेनेड, एक 51 मिमी मोर्टार इल्यूमिनेशन शेल, एक 2 इंच मोर्टार शेल, 60 जीवित गोला बारूद तथा दो बाओफेंग रेडियो सेट इंफाल पश्चिम जिला के सांगाइथेल से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

होजाई : 11 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी

होजाई (निसं)। असम राज्य न्यायिक विधि प्राधिकरण के निर्देशानुसार होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण के सचिव द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत जिले में आगामी 11 मई (शनिवार) को आयोजित की जाएगी। राष्ट्रीय लोक आदालत में परिवहन दुर्घटना आरोप न्यायाधीकरण, विवाह से जुड़े विषय, चेक बाउंस, एनआई कानून विधि अंतर्गत अर्थ पुनरोद्धार शिकायत, श्रमिक विवाद, सार्वजनिक उपयोगिता मूलक विधि के संपर्क में, असम पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, भारत संचार निगम लिमिटेड, बैंक से जुड़े विषय, अपराध मूलक मिश्रित शिकायतें और विभिन्न असामाजिक शिकायतों की सुनवाई की व्यवस्था की जाएगी। जिला न्यायिक सेवा प्राधिकरण ने आम लोगों से राष्ट्रीय लोक अदालत में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

विधायक की उपस्थिती में भाजपा से दस सदस्यीय कार्यकर्ता बीपीएफ में शामिल

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम ब्लॉक कार्यालय में शुक्रवार की रात 9 बजे विधायक रबिराम नार्जारी की उपस्थिति में फकीराग्राम के बीजीपी का एक दस सदस्यीय दल बीपीएफ में शामिल हुए। जानकारी के अनुसार एक नंबर कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र में बीपीएफ, बीजीपी, यूपीपीएल और जीएसपी दल जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वोटरों को अपनी ओर खींचने का प्रयास में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में बीती रात बीजीपी का दस सदस्यीय एक दल बीपीएफ कार्यालय में विधायक रबिराम नार्जारी, फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. रेजाउल करीम, फकीराग्राम ब्लॉक बीपीएफ अध्यक्ष इनामूल हक और बीपीएफ नेता बिजय तिवारी की उपस्थिति में बीपीएफ में शामिल हुए। बीजीपी से आए सभी कर्मियों को विधायक ने स्वागत किया। इस मौके पर विधायक रबिराम नार्जारी ने पत्रकारों के साथ हुए साक्षातकार में बताया कि एनडीए प्रार्थी जयंत बसुमतारी एक

नंबर कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र से हार रहे हैं। इसी को देखते हुए दिसपुर से मंत्री, सांसद, विधायक यहां चुनाव प्रचार चला रहे हैं। इसका कोई फायदा नहीं है यहां से बीपीएफ उम्मीदवार खांफा बरगयारी की जीत तय है क्योंकि जनता बीपीएफ के साथ है।

तीसरे चरण के मतदान के लिए कामरूप जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार

रंगिया (विभास)। आगामी 7 मई को होने वाले तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए कामरूप जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। इस साल के लोकसभा चुनाव में 5 नंबर गुवाहाटी और 3 नंबर बरपेटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत कामरूप निर्वाचन जिले में 4,18,407 पुरुष मतदाताओं और 4,20,580 महिला मतदाताओं के सहित कुल 8,38,493 लोग वोट डालेंगे। इसके अलावा, इस बार जिले में पंजीकृत हुए नए मतदाताओं की संख्या 14887 है। कुल 965 मतदान केंद्रों वाले कामरूप निर्वाचन जिले में गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत 27 नंबर चमरिया विधानसभा क्षेत्र में 247, वहीं 28 नंबर बोको छयगांव विधानसभा क्षेत्र में 232 और 29 नंबर पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में 262 मतदान केंद्र है। इसके अलावा बरपेटा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत 30 नंबर हाजो-शुवालकुची विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या 224 है। आगामी 7 मई को होने वाले मतदान जिले में कुल 965 मतदान केंद्रों के भीतर दुर्गम इलाकों में स्थित 16 मतदान केंद्रों के लिए प्रिसाईडिंग पोलिंग अधिकारियों की टीम 5 मई को रवाना की जायेगी। साथ ही शेष 949 मतदान केन्द्रों के लिए नियुक्त पीठासीन-मतदान दल को ईवीएम एवं चुनाव संबंधी सभी सामग्रियों के साथ 6 मई को अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर भेजा जाएगा। बताया गया है कि जिले में पहले से ही 214 वयस्क और 21 दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर-घर मतदान प्रणाली के तहत डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया जा चुका है। विदित हो कि जिले में मतदान प्रक्रिया को सुचारु एवं शांतिपूर्वक संपन्न कराने में लगे पीठासीन एवं मतदान पदाधिकारियों की संख्या 4468 है। गौरतलब है कि जिले में इसबार लोकसभा चुनाव में 19 मतदान केंद्रों पर केवल महिला पीठासीन-मतदान अधिकारी, 1 मतदान केंद्र पर केवल युवा पीठासीन-मतदान अधिकारी और 1 दिव्यांग पीठासीन-मतदान अधिकारी द्वारा संचालित किया जाएगा। जिले में 4 आदर्श मतदान केंद्र होंगे। मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं। कामरूप जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन से दूर रहने का आग्रह किया है। कामरूप जिले की जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए 7 मई की शाम तक इंतजार न करें और बारिश होने की स्थिति में छाते साथ रखें।

रंगिया में अभामामस की प्रश्नोत्तरी और आकस्मिक व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित

रंगिया (विभास)। अग्रणी सामाजिक स्वैच्छिक संस्था अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा छात्र-छात्राओं के बौद्धिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों में छात्रों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करती आ रही है। इसी कड़ी में संस्था द्वारा आज रंगिया नगर के वार्ड नंबर 7 स्थित आरिमत्तो विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विधालय में एक प्रश्नोत्तरी और आकस्मिक व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस मौके पर विद्यालय के सौ से भी अधिक छात्र छात्राओं ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था की अध्यक्ष प्राची सिकारिया के मार्गदर्शन तथा रेखा शर्मा और लक्ष्मी जाजोदिया की देखरेख में किया गया। इस दौरान संस्था की सचिव अरुणा अग्रवाल भी उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता के अंत में संस्था की ओर से विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम को विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य नयन ज्योति दास एवं शिक्षकों द्वारा सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया।

रंगिया महाविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व छात्र सम्मेलन गठित

रंगिया (विभास)। रंगिया महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व छात्र छात्राओं को एकत्र कर महाविद्यालय के सर्वांगीन विकास और एकाडेमिक कार्यक्रमों में सक्रिय रुप से भाग करने के उद्देश्य से आज एक संघ का गठन किया गया। इसके लिए महाविद्यालय के डिजिटल सभागार में एक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य तथा अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. ब्रजेंद्र सैकिया ने की तथा बैठक के उद्देश्यों को महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. दिनेश लहकर ने बताया। इस कार्यक्रम में पिछले साल महाविद्यालय से अर्थशास्त्र (ऑनर्स) की सर्वश्रेष्ठ स्नातक चंद्रमिता दास को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बैठक में रंगिया के पूर्व विधायक तथा महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष अनंत डेका, अर्थशास्त्र विभाग की प्रथम वर्ष की छात्रा तथा लेखिका गौरी प्रभा महंतो, पूर्व छात्र तथा महाविद्यालय के वर्तमान मुख्य कार्यालय सहायक रमनी राजबंशी, पूर्व छात्र और प्रमुख व्यवसायी हरिराम क्याल, असम साहित्य सभा के मातृभाषा राज्यभाषा प्रयोग

समिति के आह्वायक, रंगिया महाविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष तथा विभाग के पूर्व छात्र हेमंत कलिता, तामुलपुर हायर सेकेंडरी स्कूल की विषय शिक्षिका पुतुली देवी, पूर्व छात्रा अपर्णा दत्त, पूर्व छात्र रुबुल हक सैकिया और लिम्पी कलिता सहित बहुत से छात्र छात्राओं ने इस दौरान अपने पढ़ाई के समय में बिताए हुए पलों को याद करते हुए सांझा किया। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ. हेमेंद्र शर्मा, प्रोफेसर डॉ. हृषिकेश चौधरी, पूर्व छात्र फकरुद्दीन अहमद सहित सौ से भी अधिक पूर्व छात्रों शामिल इस बैठक में पूर्व छात्र हरीराम क्याल को अध्यक्ष, हेमंत कलिता और फकरुद्दीन अहमद को उपाध्यक्ष, उमेश दास को सचिव, प्रीतम ठाकुर, डैजी तालुकदार, लिंपी कलिता और जैनी रसूल को सहायक सचिव के साथ इकतालीस सदस्यों की एक कार्यकारी समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम को विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. रूबी शर्मा ने बंधु शीर्षक गीत और पूब कामरूप महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर तथा पूर्व छात्रा जिंटी डेका के गीतों के प्रदर्शन ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। सम्मेलन का आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. दिनेश लहकर ने सभी का उनकी उपस्थिति और सहयोगिता के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया।

संपादकीय

'नई सांस' था कोरोना टीका

कोरोना वैश्विक महामारी से जुड़ी एक खबर हम सभी को चिंतित, व्यथित कर सकती है, लेकिन चिकित्सकों ने इसे घबराहट का मुद्दा न मानने की सलाह दी है। दुनिया में कोरोना महामारी के दौरान ब्रिटेन की कंपनी एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने एक टीके का आविष्कार किया था। उस टीके को भारत में 'कोविशील्ड' के नाम से सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने बेचा और वितरित किया। चूंकि इतने लंबे अंतराल के बाद ब्रिटिश मीडिया के जरिए यह खुलासा हुआ है कि एस्ट्राजेनेका के टीके से खून में थक्के जम सकते हैं और व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ सकता है। कंपनी ने अदालत में यह स्वीकार भी किया है, लेकिन इसे 'दुर्लभ प्रभाव' भी माना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट 2021 में आई थी, जिसका निष्कर्ष था कि कोरोना टीके से 10,000 में से मात्र एक व्यक्ति ही 'साइड इफेक्ट' का शिकार होता है। खबर इसलिए चिंतित करती है, क्योंकि भारत में सर्वाधिक 175 करोड़ खुराकें 'कोविशील्ड' टीके की दी गईं थीं और 36.39 करोड़ खुराकें 'कोवैक्सीन' टीके की दी गईं। इस टीके के निर्माण में भारत सरकार की भी हिस्सेदारी है। बहरहाल ब्रिटेन में कोरोना टीके के दुष्प्रभावों के मद्देनजर 163 लोगों को मुआवजा दिया गया। उनमें से 158 लोगों ने एस्ट्राजेनेका का टीका लगवाया था। कोरोना-काल में टीकाकरण ने दुनिया में 60 लाख से अधिक बीमारों को नई जिंदगी दी और भारत में करीब 34 लाख संक्रमितों को 'नई सांस' दी थी। भारत जैसे घनी और संकरी आबादी वाले देश में यह डाटा बेहद महत्वपूर्ण और मानवीय माना जा सकता है। भारत में 220 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी गईं। उनमें से 254 लोगों पर ही टीके के दुष्प्रभाव सामने आए, लिहाजा भारत में टीके का उलटा असर 0.00001 फीसदी ही रहा। चिकित्सकों का भी कहना है कि टीके से औसतन 10 लाख लोगों में से जानलेवा जोखिम मात्र एक व्यक्ति को ही देखा गया, जबकि टीके ने महामारी की घातकता 80-90 फीसदी तक कम की। रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। दरअसल थक्का जमने की बीमारी को मेडिकल भाषा में 'टीटीएस सिंड्रोम' कहते हैं, जो करीब 100 साल पुराना है। दिल का अचानक दौरा पडना, अचानक अचेत होकर जमीन पर गिर जाना, हार्ट अटैक से मौत हो जाना आदि कोरोना टीका लगाने से पहले भी मौजूद थे। यदि 2022 में, कोरोना के चरम के ऐन बाद, हार्ट अटैक से 32,410 अचानक मौतें हुईं, तो 2019 से पहले भी 24-25,000 ऐसी ही मौतें हुई थीं। चिकित्सकों का सवाल है कि वे मौतें क्यों हुईं? तब तो कोरोना महामारी नहीं थी? लिहाजा शोधरत चिकित्सकों की स्थापना है कि ऐसा कोई वैज्ञानिक और क्लीनिकल साक्ष्य नहीं है, जो कोरोना टीके का सीधा संबंध मौत के साथ साबित करता हो। ब्रिटिश अदालत में 51 केस एस्ट्राजेनेका के खिलाफ दर्ज किए गए। मुख्य रूप से जेमी स्कॉट अदालत गए और टीके से पीड़ित लोगों ने कंपनी से 1000 करोड़ रुपए तक के मुआवजे मांगे। करीब 20 देशों ने एस्ट्राजेनेका के टीके पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन ये सभी 'अद्र्धसत्य' ही थे। जब दुनिया में कोरोना महामारी फैली थी, तब हाहाकार यही था कि किस तरह मनुष्य को बचाया जाए? लोग संक्रमण, ऑक्सीजन की कमी, सांस की निरंतरता टूटने, फेफड़ों के फेल हो जाने के कारण मर रहे थे। शमशान में जगह कम पड़ी, तो लाशों को नदी में बहा दिया गया। यदि किसी का संक्रमण सामने आया, तो यह निश्चित नहीं था कि वह जिंदा रहेगा या नहीं। भारत में कोरोना वायरस अब भी मौजूद है, क्योंकि एक माह में औसतन 3000 संक्रमित मामले दर्ज किए जा रहे हैं। विश्व में कोरोना महामारी से करीब 70 लाख मौतें हुईं, लेकिन आज हम अपेक्षाकृत आश्वस्त हैं। हमने टीकाकरण कराया है या हम संक्रमित हो चुके हैं। दोनों ही स्थितियों में रोग प्रतिराधक क्षमता हमारे भीतर पर्याप्त है। हमें घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि डॉक्टरों के निष्कर्ष हैं कि टीके के दुष्प्रभाव अधिकतम 6 महीने के दौरान सामने आ जाते हैं, जबकि कोरोना खत्म हुए और टीकाकरण का अभियान सम्पन्न हुए 2 साल से अधिक का समय गुजर चुका है। जो होना था, वह हो चुका, शेष अतीत हो गया।

> दुनिया में कोरोना महामारी के दौरान ब्रिटेन की कंपनी एस्ट्राजेनेका और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने एक टीके का आविष्कार किया था। उस टीके को भारत में 'कोविशील्ड' के नाम से सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने बेचा और वितरित किया। चूंकि इतने लंबे अंतराल के बाद ब्रिटिश मीडिया के जरिए यह खुलासा हुआ है कि एस्ट्राजेनेका के टीके से खून में थक्के जम सकते हैं और व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ सकता है। कंपनी ने अदालत में यह स्वीकार भी किया है, लेकिन इसे 'दुर्लभ प्रभाव' भी माना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट 2021 में आई थी, जिसका निष्कर्ष था कि कोरोना टीके से 10,000 में से मात्र एक व्यक्ति ही 'साइड इफेक्ट' का शिकार होता है। खबर इसलिए चिंतित करती है, क्योंकि भारत में सर्वाधिक 175 करोड़ खुराकें 'कोविशील्ड' टीके की दी गई थीं और 36.39 करोड़ खुराकें 'कोवैक्सीन' टीके की दी गईं। इस टीके के निर्माण में भारत सरकार की भी हिस्सेदारी है। बहरहाल ब्रिटेन में कोरोना टीके के दुष्प्रभावों के मद्देनजर 163 लोगों को मुआवजा दिया गया।

भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा

आर्थिक क्षेत्र में नित नए विश्व रिकार्ड बनाता भारत

प्रह्लाद सबनानी

हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि माह अप्रेल 2024 के दौरान वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.10 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। कुल मिलाकर अब यह कहा जा सकता है कि भारत आगे आने वाले 2/3 वर्षों में 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व एक ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में भारी हिचकिचाहट रहती थी और भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। परंतु, केवल 10 वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते आज वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भारत आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। वैश्विक स्तर पर विदेशी प्रेषण के मामले में आज भारत प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। भारत में आज सबसे बड़ा सिंक्रोनाईजड बिजली ग्रिड है। बैंकिंग क्षेत्र में वास्तविक समय लेनदेन की सबसे बड़ी संख्या आज भारत में ही सम्पन्न हो रही है। भारत आज विश्व में दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है एवं भारत आज पूरे विश्व में मोबाइल फोन का निर्माण करने वाला दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है। भारत में आज विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेट्वर्क है। मात्रा की दृष्टि से भारत में आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फार्मासीयूटिकल उद्योग है। भारत में आज पूरे विश्व में तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेट्वर्क है। भारत ने स्टार्टअप को विकसित करने के उद्देश्य से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा

पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा कर लिया है। भारत का स्टॉक बाजार, पूंजीकरण के मामले में, विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत में आज विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेट्वर्क है। विश्व में पैटेंट हेतु आवेदन किए जाने वाले देशों में भारत आज छठे स्थान पर आ गया है। आर्थिक क्षेत्र में भारत को यह सभी उपलब्धियां पिछले 10 वर्षों के दौरान प्राप्त हुई हैं। पिछले केवल 10 वर्षों के दौरान शेयर बाजार में निवेशकों को अपार सफलता हासिल हुई है और सेन्सेक्स ने 200 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है, इसी प्रकार निफ्टी भी इसी अवधि में 206 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज करने में सफल रहा है। यह स्थानीय एवं विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर अपना विश्वास जता रहा है। भारत में शेयर बाजार में व्यवहार करने के उद्देश्य से खोले जाने वाले डीमेट खातों की संख्या वर्ष 2014 में 2.2 करोड़ थी जो वर्ष 2024 में बढ़कर 15.13 करोड़ हो गई है अर्थात इन 10 वर्षों में 7 गुणा से अधिक की वृद्धि दर अर्जित की गई है। देश का प्रत्येक उद्यमी/उपक्रमी/व्यवसायी बहुत उत्साह में है कि देश में व्यापार करने हेतु वातावरण में बहुत सुधार हुआ है एवं ईज आफ डूइंग बिजनेस में काफी सुधार हुआ है। आज भारत ही नहीं बल्कि भारतीय कम्पनियों द्वारा विदेश में भी पूंजी उगाहना बहुत आसान हो गया है। अतः एक प्रकार से उद्यमियों के लिए पूंजी की समस्या तो नहीं के बराबर रह गई है। भारतीय नागरिकों में आज स्व का भाव जगाने में भी कामयाबी मिली है, जिसके चलते स्वदेश में निर्मित वस्तुओं का उपयोग बढ़ रहा है एवं अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात कम हो रहे हैं। इसके चलते भारत के विदेशी व्यापार घाटे में सुधार दृष्टिगोचर है। आज भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में मामूली वृद्धि दर्ज हो रही है तो कई उत्पादों के आयात में कमी दिखाई देने लगी है। इसे भारतीय नागरिकों के आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा सकता है। फरवरी 2024 माह में भारत का व्यापारिक निर्यात 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 4140 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया, जो पिछले 20 महीनों में उच्चतम स्तर पर है। इसके अतिरिक्त, सेवा निर्यात 3210 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। फरवरी 2024 माह में माल एवं सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 7355 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो फरवर 2023 की तुलना में 14.2 प्रतिशत अधिक है। इसी कारण से, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी आज 64,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। आज भारतीय नागरिकों ने सनातन संस्कृति का अनुपालन करते हुए भारत को विकसित एवं मजबूत बनाने के लिए अपने कदम आगे बढ़ा लिए हैं। आज भारत में प्रत्येक नागरिक का औसत जीवन वर्ष 2022 के 62.7 वर्ष से बढ़कर 67.7 वर्ष हो गया है। यह भारत में लगातार हो रही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते ही सम्भव हो सका है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में पिछले 12 महीनों के दौरान 6.3 प्रतिशत की वृद्ध दर्ज हुई है। इसी प्रकार, एक सर्वे के अनुसार, आज भारत में 36 प्रतिशत कम्पनियां आगामी 3 माह में नई भर्तियां करने पर गम्भीरता से विचार कर रही हैं, इससे भारत में रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते दिखाई दे रहे हैं। गरीब वर्ग को भी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाये जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके एक बड़ा मील का पत्थर हासिल कर लिया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2019 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.50 करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। इसी प्रकार, पीएम आवास योजना के अंतर्गत, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं एवं सौभाग्य योजना के अंतर्गत देश भर में 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व भर के सबसे बड़े सरकारी वित्तपोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना – के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।

> वित्तीय वर्ष 2022 में वस्तु एवं सेवा कर का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.20 लाख करोड़ रुपए रहा था, जो वित्तीय वर्ष 2023 में बढ़कर 1.50 लाख करोड़ रुपए हो गया एवं वित्तीय वर्ष 2024 में 1.70 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया। अब तो अप्रेल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे यह आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रुचि बढ़ी है, देश में अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है।

दृष्टि कोण

युद्ध के 25 साल बाद भी सुरक्षा के मोर्चे पर निरंतर सतर्कता की जरूरत

जब भारत-पाकिस्तान रिश्तों की बात आती है, तो अतीत वर्तमान बन जाता है और भविष्य में सीखने के लिए कुछ अप्रिय सबक छोड़ जाता है। पाकिस्तान जबसे भारत से अलग हुआ है, इसने क्षेत्रीय जीत हासिल करने की कोशिश की है। हालांकि हर बार यह विफल रहा है। पच्चीस वर्ष पहले ठीक आज ही के दिन कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। पाकिस्तान ने पहले घुसपैठियों को भेजा, फिर सैन्य हमले को अंजाम दिया, क्योंकि भारत ऐसे हमले के प्रति लापरवाह था। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा 21 फरवरी, 1999 को शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के तीन महीने के भीतर ही कारगिल की घटना हुई। भारत को घुसपैठियों के बारे में अचानक पता लगा। ताशी नामग्याल नामक चरवाहा जब अपनी गुम हुई भेड़ों को खोज रहा था, तो उसने पठानी शूट में पाकिस्तानियों को देखा, जो बाल्टिक पर्वत शृंखला पर बंकर खोद रहे थे। नब्बे डिग्री की खड़ी चट्टान पर चढ़ाई करने वाले युवा सैन्य अधिकारियों और जवानों ने बहादुरी से पाकिस्तानी गोलियों का सामना किया और अपने भारतीय नेतृत्व को गर्व करने का अवसर प्रदान किया। इस युद्ध में ज्यादातर 22-35 वर्ष के युवा जवान शहीद हुए। आधिकारिक रूप से भारत के 527 जवान शहीद हुए, जबकि पाकिस्तान के 357 से 453 के बीच जवान मारे गए। पाकिस्तान ने अपने 600 अन्य जवानों की लाशों पर दावा न करके उन्हें अपमानित किया। नतीजतन भारत को ही उनका अंतिम संस्कार करना पड़ा। वस्तुतः यह भारत के लिए कठिन कार्य था। पाकिस्तानियों के कड़े प्रतिरोध का सामना करते हुए भारत ने अपनी वायु सेना और बोफोर्स तोप को तैनात कर अपनी रक्षा की। उसी साल एक भारतीय यात्री विमान का अपहरण हुआ, जिसे पहले

लाहौर, फिर कांधार ले जाया गया। भारत को विमान, चालक दल और यात्रियों की सुरक्षित रिहाई के लिए चार कश्मीरी आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा। पच्चीस वर्ष बाद भी इन विफलताओं पर भारत में बहुत कम चर्चा हुई है। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक नजम सेठी कहते हैं, 'भारत के साथ पाकिस्तान ने जितने भी युद्ध किए, सभी में हार गया, हालांकि उसी ने इसकी योजना बनाई थी, पर कुछ हासिल न कर सका।' पहले सर्दियों में कारगिल क्षेत्र की ऊंचाइयों वाली चौकियों को दोनों देशों के सैनिक खाली कर देते थे और फिर वसंत के मौसम में वहां तैनात हो जाते थे। 1999 की सर्दी में पाकिस्तानी फौज ने भारतीय सेना से पहले ही कारगिल द्रास एवं बाल्टिक की सामरिक ऊंचाइयों पर स्थित अग्रिम चौकियों पर आतंकियों के सहयोग से कब्जा कर लिया। हालांकि उसने ऐसा भारतीय इलाके पर कब्जे के लिए नहीं, बल्कि भारत पर सामरिक बढ़त पाने के लिए किया था। यदि वह सफल हो जाता, तो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एक को अवरुद्ध करके कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच संपर्क खत्म कर सकता था। पाकिस्तानी योजनाकार चाहते थे कि भारत को सियाचिन ग्लेशियर छोड़ने और कश्मीर पर बातचीत करने के लिए मजबूर किया जाए। लेकिन 1984 में सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जे के बाद से आज तक भारत उस पर कब्जा जमाए हुए है। कारगिल युद्ध के बाद दोनों में से कोई भी पक्ष दुनिया के इस सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र को छोड़ना नहीं चाहता है। पाकिस्तानी लेखक तारिक अकील के अनुसार, सैन्य मामलों की सीमित जानकारी होने के कारण नवाज शरीफ भारतीय सेना की पलटवार करने की क्षमता से वाकिफ नहीं थे। 'वह इस भ्रम में थे कि घुसपैठिये सफल हो जाएंगे और कारगिल पर कब्जा कर लेंगे, जिससे भारत को कश्मीर पर अंतिम समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सकेगा और वह इतिहास में कश्मीर विजेता के रूप में जाने जाएंगे।' पाकिस्तानी योजनाकारों ने मान लिया था कि चूंकि पाकिस्तान परमाणु शक्ति संपन्न है, इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कोई बड़ा कदम नहीं उठाएगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय प्रारंभिक चरण में ही हस्तक्षेप करेगा, जिससे नियंत्रण रेखा के पार मिली बढ़त पर पाकिस्तान का कब्जा हो जाएगा तथा चीन पाकिस्तान का पक्ष लेगा और भारतीय सेना ऊंचाई पर लड़ने के लिए प्रशिक्षित पर्याप्त सैनिक नहीं जुटा पाएगी।

कुछ अलग

गिरगिट के रंग, नेकी के संग

बदी पर नेकी की, झूठ पर सच की और बुराई पर भलाई की जीत की बात ही पढ़ते आए थे। जब से हमने होश संभाली, तभी से पाठशाला को मन्दिर सम माना जाता था, और गुरु वन्दना का तो बाकायदा एक दिन निर्धारित होता ही था। देखते ही देखते जब हमारी उम्र ने गुजरने की रफ्तार पकड़ी तो ये सब विश्वास, मूल्य और मान्यताएं भी अपना रूप बदल गयीं। पहले सुना था कि केवल गिरगिट ही रंग बदलता है, लेकिन अब अगर हर मौसम, हर दिन या हर पल रंग न बदल पायें तो उसके लिए कहोगे कि जा रे जमाना। जमाना बदलता गया, पहले नेकी कर के दरिया में इसलिए डाल देते होंगे कि यह बह कर घाट-घाट से गुजरे और नेक बन्दों से ये दुनिया इतनी सुगन्धित हो जाए कि इत्र फुलेल वालों को भी अपनी दुकानें बढ़ानी पड़ें। सुनते थे जो बेचते थे दर्दे दिल, वे दुकान अपनी बढ़ा गए। लेकिन अब नेक बंदों को दिल टूटने का यह मर्ज कैसा? नेकी का माहौल था, हर आदमी दूसरे से बढ़ कर नेकी करने पर तुला हुआ था। ऐसे में बाहरी खुशबू की तलाश कौन करता? लेकिन जा रे जमाना, अब खुशबूदार आदमियों ने इत्र फुलेल को विदा दे दी तो नेकी ने भी कोरोना के इस ताजा बदले रूप की तरह रंग बदल लिया। सुना है यह कोरोना पहले से सत्रह प्रतिशत अधिक तेजी से फैलता है। इसीलिए जमाने की बदलती चाल ने नेकी के नाम पर नई पंगत सजानी शुरू की तो उसने भी सत्रह प्रतिशत नहीं, सौ प्रतिशत अधिक तेज चाल पकड़ ली। पंजाब में त्रिया चरित्र के बारे में एक कहावत है, 'रोती यारों को, ले ले नाम अपने भाइयों का।' नाम तो अभी भी नेकी का ही लिया जाता है। नहीं तो नेक बन्दों के लेबुल कम न पड़ जाते? लेकिन बंदा-परवर, अब नेकी करके आज के नेक बंदे दरिया में डालने नहीं जाते, उसे अपने ही घर के पिछवाड़े में बने कुएं में डालते चले जाते हैं। देश में लोगों के लिए कुएं खुदवाने की परम्परा बहुत पुरानी है। धर्मी-कर्मी लोग कुएं खुदवाते थे, प्यासे जनों की प्यास बुझाने के लिए। सत्य कर्म का यह बोलबाला था, साहिब, कि प्यासे कम और कुएं अधिक हो गए थे। सब को अपने पितरों की चिन्ता थी। इस धरती पर कुआं खुदवा कर प्यासों को पानी मिलेगा या दोगे तो ऊपर स्वर्ग में तुम्हारे पितरों को अमृत ही नहीं मिलेगा, वे उसे अधिकार से ले लेंगे, कहते थे। लेकिन जमाना बदल गया बन्धु! धनी मानी लोगों के घरों के पिछवाड़े कुएं तो आज भी खुदवाए जाते हैं, लेकिन वे चलते कुएं नहीं कि जहां राहगीर अपनी प्यास बुझा लें। देखते ही देखते ये कुएं अन्धे हो गए। जमाना राहगीरों को पानी पिलाने का नहीं, रहजनों को चंग पर चढ़ाने का है। किसी जमाने में राजा महाराजा अपना और अपने पूर्वजों का खजाना अनन्त काल तक सुरक्षित रखने के लिए तिलिस्म बांधते थे। तिलिस्म की कहानियां तभी प्रचलित हुई थीं। देवकी नन्दन खत्री की चन्द्रकांता और चन्द्रकांता सन्तति उन्हीं दिनों में लिखे गए थे। लेकिन खुशबुओं के जमाने लद गए। लोकतंत्र ने गद्दियों पर ऐसे महाराजा पेश कर दिए जो उम्र भर के लिए राजकाज अपने नाम ठेके पर लिखवा लेना चाहते हैं। नेकी के दरिया सूख कर बदी के रेगिस्तान बन गए, जहां चलते अन्धड़ों में जन-सेवकों ने शुतुरमुर्गों की तरह अपने मुंह छिपा लिए। अब जन सेवा बन गई परिवार सेवा। भाई भतीजावाद कल्याण का पर्याय बन गया। आदर्शों के तिलिस्म टूटे और बड़े आदमियों के पिछवाड़े ऐसे कुएं बन गए कि जिनके पास कोई आम जन फटक भी न पाए। पहले उन कुओं पर जन कल्याण और सर्व-समर्पण के नाम पट्ट लगे रहते थे। अब तो परिवार जनों और व्यावसायिक घरानों ने अपने ब्रांड लगा दिए। पद प्रतिष्ठा के ऐसे अंधे कुएं बनाओ जो आपके नाती-पोतों के लिए खुलें, बदलते युग की आवाज बनी।

देश दुनीया से

निराश्रित पशुधन सडक़ों पर क्यों?

आजकल हिमाचल की सडक़ों पर जाम की स्थिति बनी हुई है और इसकी बड़ी वजह सडक़ों एवं पुलों पर निराश्रित पशुओं की टोलियों के झुंड हैं। अब तो जैसे हिमाचली घरों से पशुधन की पूर्णतया विदाई ही कर दी गई है और ऐसी कोई पूर्णकालिक सरकारी व्यवस्था नहीं है जो इन बेसहारा पशुओं को ठौर ठिकाना मुहैय्या करवा सके। कहीं कहीं दानी सज्जनों एवं गैर सरकारी संगठनों के सद्प्रयासों से छोटी छोटी गौशालाएं संचालित की भी जा रही हैं, लेकिन एक विशाल पशुधन की देखभाल प्रभु भरोसे ही चल रही है। ये पशुधन न केवल निराश्रित हैं, बल्कि कई पशु घायल एवं बीमार अवस्था में लाचार सडक़ों पर घूमते मिल जाएंगे। यहां विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाने के उद्देश्यों पर भी सवालिया निशान उठते हैं जिसमें पशु स्वास्थ्य, उनकी देखभाल, पशु क्रूरता को रोकना, पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल करने जैसी बातें तो की जाती हैं, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि क्या हमारे पशु चिकित्सालय एवं चिकित्सक मात्र उनके यहां आने वाले पशुओं की नियमित जांच, टीकाकरण के लिए ही जिम्मेदार हैं अथवा निराश्रित पशुओं की चिकित्सा जांच को भी अपने काम के दायरे में लेंगे। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में जहां आज से 30-35 वर्ष पूर्व जो पशु किसी भी कार्य के उपयुक्त नहीं होता था उसकी भी पुत्रवत देखभाल एवं सेवा सुश्रुषा की जाती थी। लेकिन आज परिस्थितियां बिल्कुल विपरीत और दुर्भाग्यपूर्ण रूप ले चुकी हैं। जगह-जगह निराश्रित घूमते निरीह, असहाय, लाचार, बेजुबान पशुओं के झुंड बाजारों, सडक़ों में गंदगी, प्लास्टिक व अभक्षणिय चीजों पर जीवित तथा निर्भर रहकर हमारे समाज में व्याप्त मनुष्य की स्वेच्छाचारिता और स्वार्थीपन को सरेराह प्रदर्शित करते घूम रहे हैं। जिन खेतों-खलिहानों पर कभी बाड़ नहीं होती थी वहां आज आवारा घूमते पशुओं के चलते लहलहाती फसलें गायब हो चुकी हैं, सारा दोष कमोबेश हमारा ही है। जो पशुधन कभी ग्रामीण आर्थिकी की रीढ़ हुआ करता था वही पशुधन आज दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। खेतीबाड़ी, बाग-बगीचों, घरेलू सब्जियां तैयार करना तथा घर परिवारों को पहुंचने वाले लाभों से यदि आज हम वंचित हुए जा रहे हैं तो कदाचित दोषी भी हम स्वयं ही हैं। आज हम ऑर्गैनिक सब्जियों, दालों की मांग कर रहे हैं। स्वास्थ्यवर्धक एवं पौष्टिक दूध की इच्छा रखते हैं, लेकिन इन चीजों को उपलब्ध करवाने की क्षमता रखने वाले पशुधन को समुचित ठौर-ठिकाना दे पाने में हम नितांत अक्षम हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश में इस समय कुल 6 गौ अभयारण्य हैं तो 3 बड़े गौ सदन भी संचालित किए जा रहे हैं। मार्च 2019 में गौ सेवा आयोग का गठन किया गया था। इसके अलावा राज्य पशु कल्याण बोर्ड अलग से है। वहीं सरकार मार्च 2018 से शराब की प्रति बोतल एक रुपए का गौवंश उपकर लगाकर और मंदिर ट्रस्टों की आय का 15 फीसदी राशि गौ सेवा आयोग को उपलब्ध करवा रही है लेकिन विभाग और संसाधनों के होने के बावजूद यदि पशुधन सडक़ों पर है तो राज्य सरकार को निराश्रित पशुओं के समुचित ठौर ठिकाने में मिल रही विफलता के कारणों पर विचार करना चाहिए। 2019 की पशुधन गणना के अनुसार हिमाचल प्रदेश की कुल पशुधन आबादी 44.13 लाख थी, जिसमें से 18.28 लाख गाय एवं 6.47 लाख भैंसे हैं। 1948 में हिमाचल प्रदेश में जहां मात्र 9 पशु चिकित्सालय थे तो वहीं 14 फरवरी 2024 की स्थिति के अनुसार आज प्रदेश में एक राज्य स्तरीय पशु चिकित्सालय के अलावा वेटरिनरी पॉलीक्लिनिक के 9, उपमंडलीय पशु चिकित्सालय 60, पशु चिकित्सालय 362, पशु औषधालय 1762 के अलावा मुख्यमंत्री आरोग्य पशुधन योजना के अंतर्गत 1251 पशु औषधालय भी सेवारत हैं। समय-समय पर पशुपालन विभाग के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने तथा विभागीय क्रियाकलापों की जानकारी पशुपालकों तक पहुंचाने के लिए कई कार्य योजनाओं को विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अमलीजामा पहनाने में जुटे हुए हैं, लेकिन इस राह में कुछ मुश्किलें भी हैं। 25 सितंबर 2023 की स्थिति के अनुसार पशुपालन विभाग में 40 श्रेणियों के लिए कुल 7757 पद स्वीकृत थे जिनमें से 5188 भरे हुए थे तो 2569 पद रिक्त चल रहे हैं। आवश्यकता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार चुनावों के बाद प्राथमिकता के आधार पर इन पदों को भरे, इससे जहां पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार मिलेगा तो वहीं विभागीय कामकाज की रफ्तार को भी गति मिलेगी। भारतीय संविधान निराश्रित जानवरों की सुरक्षा के लिए विशिष्ट कानूनों का प्रावधान करता है और इसके अनुसार, भारत के नागरिक के रूप में इनकी रक्षा और पोषण करना हमारा कत्तव्य है क्योंकि वे भी जीवित प्राणी हैं।

> सडक़ों एवं पुलों पर निराश्रित पशुओं की टोलियों के झुंड हैं। अब तो जैसे हिमाचली घरों से पशुधन की पूर्णतया विदाई ही कर दी गई है और ऐसी कोई पूर्णकालिक सरकारी व्यवस्था नहीं है जो इन बेसहारा पशुओं को ठौर ठिकाना मुहैय्या करवा सके। कहीं कहीं दानी सज्जनों एवं गैर सरकारी संगठनों के सद्प्रयासों से छोटी छोटी गौशालाएं संचालित की भी जा रही हैं, लेकिन एक विशाल पशुधन की देखभाल प्रभु भरोसे ही चल रही है। ये पशुधन न केवल निराश्रित हैं, बल्कि कई पशु घायल एवं बीमार अवस्था में लाचार सडक़ों पर घूमते मिल जाएंगे।

आप का नजरीया

नई शक्ल-सूरत की कांग्रेस

हिमाचल में कांग्रेस बदल रही है और यह कोशिश आलाकमान का सजदा कर रही है। चुनावी परिदृश्य में कांग्रेस खुद से संघर्ष करती हुई यह बताना चाहती है कि उसे बाह्य स्थिति से कहीं अधिक आंतरिक सत्ता की जरूरत है। जरूरत आलाकमान के फरमान को मोहरों पर खेल रही है और जहां मकसद जीत-हार से कहीं आगे नए स्थापत्य में खुद के गुमशुदा हालात में खोजने कहीं अधिक है। इसलिए जिन्हें आश्चर्य है कि अचानक पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा अचानक कहां से कांगड़ा के उजड़े चमन में नई बहारों के लिए उतार दिए गए, वे गलत सोच रहे हैं। दरअसल यह नए लफ्जों, नए वादों और नई शक्ल-सूरत में प्रदेश की पुरानी कांग्रेस को संबोधित करने का प्रयास है। जिस पार्टी को छह विधायकों के रुखसत होने पर भी आत्मविश्लेषण की जरूरत नहीं, वह अब चमत्कार पर विश्वास कर सकती है। इसलिए जिस सर्वेक्षण का जिक्र खुद में अद्भुत है, वहां चुनावी उम्मीदवारों के चमत्कार तो पूजे जाएंगे। बहरहाल, कांग्रेस की खाल से चस्पां रहस्य किसी तरह उखड़ गया और अनुराग ठाकुर के सामने सतपाल रायजादा और कांगड़ा से आनंद शर्मा सामने आ गए। इससे पूर्व मंडी से सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह और शिमला से विनोद सुल्तानपुरी अपनी दोहरी भूमिकाओं में संसद की लड़ाई में पुश्तैनी वजूद तलाश रहे हैं। हालांकि कांगड़ा और हमीरपुर में भी कांग्रेस की गुजारिश अपने ही विधायकों से थी, लेकिन न तो उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने लोकसभा चुनाव का दामन थामा और न ही नगरोटा बगवां के विधायक आरएस बाली ने दिल्ली के संपर्कों में स्थायी भूमिका तराशी। ऐसे में अगर कांग्रेस के चयन पर जनता की मोहर लग जाए, तो पूरी पार्टी बदल जाएगी, लेकिन जीत-हार के फासले कुछ शक्तियों को क्षीण भी कर सकते हैं। बतौर सांसद व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के झंडे बुलंद इसलिए भी लगते हैं, क्योंकि वहां उपलब्धियों, संपर्कों और निरंतरता की बुलंदी है। वह एकमात्र ऐसे हिमाचली नेता बन गए हैं, जिसके लिए चुनावी फील्ड पहले से तय है। कुछ इसी तरह का आभास मंडी में विक्रमादित्य की साख और विरासत से जुड़ता है, लिहाजा वहां वीरभद्र सिंह की कांग्रेस का प्रभाव बरकरार है। हिमाचल में नई कांग्रेस की जीत-हार का सारा दारोमदार अब आनंद शर्मा की उम्मीदवारी पर है। इस चयन में कई चयन व इतिहास हैं। हिमाचल से आनंद शर्मा के रिश्ते व उनके अनुराग में प्रदेश में केंद्र के उपकार देखे जाएंगे। भले ही शिमला में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय व नादौन में प्रस्तावित स्पाइस पार्क की चर्चाओं में यह नेता कुछ काम करता हुआ दिखाई देता है, लेकिन जिस दौर में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार का औद्योगिक पैकेज रद्द हुआ था, तब मनमोहन सिंह के मंत्रिमंडल में आनंद शर्मा वाणिज्य मंत्री थे। जाहिर है उनके मंत्री पद की तारीफों में हिमाचल ने जो सपने देखे थे, वे चुनावी यथार्थ में अब मुद्दे पैदा करेंगे। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के दावों का दम कांगड़ा में जिस शिद्दत से आनंद शर्मा को उतार रहा है, उससे यह तो पता चल जाता है कि हाल फिलहाल पार्टी को सत्ता में पहुंचाने वाला यह जिला अपने स्थानीय नेताओं का प्रभाव व प्रभुत्व हार रहा है। जिस कद पर आनंद शर्मा का अवतरण कांगड़ा में हो रहा है, वहां कांगड़ा-चंबा के कई स्थानीय नेता फिसड्डी ही साबित हो रहे हैं।

भाजपा की नीतियों से परेशान जनता सपा को कर रही वोट : रामगोपाल

इटावा (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने सैफई में पत्रकारों से बात करते भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों से परेशान होकर लोग आतंक के साए में जी रहे हैं। भाजपा को वोट देने वाले लोग भी अब समाजवादी पार्टी को वोट दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार सौ पार का नारा देने वाली बीजेपी इस बार दो सौ से भी कम सीट जीत पाएगी। सपा नेता रामगोपाल ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को लेकर बड़ा तंज कसते हुए बयान दिया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य अंदर ही अंदर योगी आदित्यनाथ को हटाकर खुद मुख्यमंत्री बनने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रीय महासचिव ने राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने वाले सवाल पर कहा कि उन्हें रायबरेली से कोई भी नहीं हरा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बढ़ी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से परेशान लोग अब भाजपा को सत्ता से बाहर करने का मन बना चुके हैं।

लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए मुस्लिमों को आरक्षण से निकालकर कोटा देने की मांग की थी : प्रधानमंत्री

दरभंगा (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के शहजादे (तेजस्वी यादव) के पिता (लालू यादव) ने रेल मंत्री रहते हुए मुस्लिमों को आरक्षण से निकालकर रेलवे में उन्हें कोटा देने की मांग की थी। ये एससी, एसटी और ओबीसी का हक छिनकर मुस्लिमों को देना चाहते हैं। धर्म के आधार पर आरक्षण कटेगा तो यादव और कुर्मी जैसे समाज का हक भी बंटेगा। पासवान, मुसहर और रविदास समाज के हक पर ये डाका डालने की फिराक में हैं। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को बिहार के दरभंगा स्थित राज मैदान में भाजपा उम्मीदवार गोपाल जी ठाकुर के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिस तरह एक शहजादे (राहुल गांधी) हैं, उसी तरह पटना में भी एक शहजादे (तेजस्वी यादव) हैं। एक शहजादा पूरे देश को तो दूसरा पूरे बिहार को अपनी जागीर समझता है। कोरोना काल में बिहार के लोगों के साथ इंडी गठबंधन वालों ने गलत किया था। महाराष्ट्र समेत जिन राज्यों में इंडी गठबंधन की सरकार थी, वहां से बिहार के लोगों को भगा दिया गया। बिहार के लोगों को बसों में बैठाकर बीच रास्ते में छोड़ दिया गया। पीएम मोदी ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों पर कहा कि आज भारत ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दस साल पहले भारत दुनिया की 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था थी। बीते 10 साल में हम पांचवें नंबर पर पहुंच गए। कोरोना काल में 100 साल के बाद बड़ा संकट आया था। दुनिया सोचती थी भारत बर्बाद हो जाएगा लेकिन उस समय हमने अपना सामर्थ्य दिखाया और देश उस संकट से बाहर निकला। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबी चर्चा के बाद हमारा संविधान बना। बाबा साहेब आंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद जैसे बड़े-बड़े विद्वानों ने धर्म के आधार पर आरक्षण पर लंबी

चर्चा की। 77 साल पहले उन्होंने तय किया कि हमारे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकते हैं। देश को फिर से नहीं बांट सकते हैं। बाबा साहेब ने इसके खिलाफ खुलेआम वकालत की। पंडित नेहरू ने भी धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था। अब हमारे गरीब एससी, एसटी और ओबीसी का कांग्रेस से मोह भंग हो गया है। कांग्रेस नेहरू की भावना के खिलाफ जा रही है और बाबा साहेब आंबेडकर की पीठ पर छुरा घोंप रही है। इस साजिश में आरजेडी भी कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। प्रधानमंत्री ने भाषण में कहा कि दरभंगा में विकास की धारा बह रही है। यहां एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, अमृत भारत ट्रेन और आधुनिक सड़कें यानी हर तरफ काम हो रहा है। दरभंगा एम्स की अड़चनों को भी दूर किया जा रहा है। दरभंगा में आईटी पार्क भी बना, जिसे युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे। मिथिला में मखाना, लीची और आम खूब होता है। अच्छी सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर से इनका एक्सपोर्ट दुनियाभर में बढ़ेगा। इससे पहले मोदी ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे से भाषण की शुरुआत की। साथ ही राम मंदिर बनने की बधाई दी।

बिहार ने जिनको 15 साल मौका दिया वे परिवार को आगे बढ़ाने में ही लगे रहे : नीतीश

पटना/मुंगेर (हिंस)। बिहार में मुंगेर लोकसभा सीट से जदयू उम्मीदवार ललन सिंह के पक्ष में शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जिनको 15 साल (लालू यादव) मौका मिला, उन्होंने कुछ काम नहीं किया और सिर्फ परिवार को ही आगे बढ़ाते रहे। मुंगेर लोकसभा सीट के राजग उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे नीतीश ने हवेली खड़गपुर के खंड बिहारी में राजद सुप्रीमो लालू यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को 15 साल मौका मिला वह बिहार में क्या काम किए, सबको मालूम है। शाम होने के बाद लोग घर बाहर नहीं निकल पाते थे। इनके शासनकाल में लोग डरे रहते थे। वर्ष 2005 के पहले क्या हाल था। सिर्फ प्रचार करते रहते थे। हम ही बनवाए थे। गड़बड़ करने लगे तो हम ही छोड़ दिए। लालू ने पत्नी को सीएम बनाया। बाल-बच्चा को बनाया, परिवारवाद को बढ़ावा दिया। कांग्रेस भी परिवारवाद पर चल रही है। सीएम ने कहा कि पहले बिहार में सबसे ज्यादा हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव होता रहता था और हमें जब मौका मिला तो बिहार के हित में सिर्फ काम किया जो सबके सामने है। हमने 2005 में सबसे पहले कानून का राज्य कायम किया। सभी जगहों पर हिंदू-मुस्लिम मामले को समाप्त कर मुस्लिम समुदाय के लिए सभी जगहों पर कब्रिस्तान का घेराबंदी किया, मदरसे के लिए भी काम किया। उनके हित में कई काम किए लेकिन ये लोग तो सिर्फ नाम पर वोट का इस्तेमाल किया। अशोक महतो की पत्नी को मुंगेर लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार बनाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के लिए कोई ब्याह कर लिया और कोई जेल में रहे। ये सब कोई चुनाव लड़ेगा, इसका कोई मतलब है। आज बिहार में चारों तरफ विकास की रोशनी जगमगा रही है। चाहे वह पुल-पुलिया और सड़क मार्ग का मामला हो। सभी जगहों पर लगातार कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुंगेर में हर प्रकार का कार्य किया जा रहा है। भाजपा से हमारा संबंध पुराना है। बीच में इधर-उधर चले गए थे लेकिन अब हम कहीं नहीं जायेंगे।

तीन तलाक पीड़ित राबिया की मुस्लिम महिलाओं से पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करने की अपील

पटना (हिंस)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के अराई थाना क्षेत्र स्थित महेशस्थान गांव की राबिया खातून ने मुस्लिम महिलाओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने की अपील की है। तीन तलाक पीड़ित राबिया ने *हिंदुस्थान समाचार* से बातचीत में कहा कि जब हम प्रताड़ित होते थे तो कोई नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद। राबिया खातून ने देशभर की मुस्लिम महिलाओं से भाजपा नीत राजग गठबंधन को वोट देकर प्रधानमंत्री के हाथों को मजबूत करने की अपील की है। राबिया ने कहा कि दस साल पहले महिलाएं खासकर मुस्लिम महिलाएं प्रताड़ित होती थीं तब कोई कुछ नहीं बोलता ना ही कोई कानून था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ही देन है जो आज हमें न्याय मिला है। मेरे शौहर (नसरुद्दीन हसन) ने मेरे साथ अन्याय किया , तीन तलाक दिया तो जेल गया है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के हाथों को मजबूत करने की आवश्यकता है।

इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों का कर्जा होगा माफ : अखिलेश

फिरोजाबाद (हिंस)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को फिरोजाबाद में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूंजीपतियों का कर्जा माफ कर दिया लेकिन इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा। उन्होंने भाजपा हटाओ संविधान बचाओ का भी नारा दिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शनिवार को फिरोजाबाद लोकसभा के मक्खनपुर में सपा उम्मीदवार अक्षय यादव के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में डीजल, पेट्रोल से लेकर हर चीज महंगी हो गई। केंद्र की भाजपा सरकार तीन काले कानून लेकर आई तब किसानों ने दिल्ली को घेरने का काम किया। किसान झुके नहीं अंत में सरकार को ये तीनो काले कानून वापस लेने पड़े। आज देश का किसान भाजपा के खिलाफ है। केंद्र की भाजपा सरकार ने ही बैंक में जमा हमारे

आपके पैसे से पूंजीपतियों का कर्जा माफ कर दिया लेकिन किसानों का कर्जा माफ नहीं किया। उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद देश में इंडिया गठबंधन सरकार बनेगी और किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा। भाजपा सरकार में हर परीक्षा का पेपर लीक हो गया। भाजपा की केंद्र सरकार ने अग्निवीर की नौकरी 4 साल की कर दी। इस 4 साल की नौकरी में नौजवानों को कोई सुविधा नहीं मिलेगी। यहां तक कि नेताजी ने देश के सैनिकों के शहीद होने पर जो सम्मान तय किया था वह सम्मान भी नहीं मिलेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर यह अग्निवीर भर्ती समाप्त की जाएगी। राशन की गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो खाकी वर्दी की नौकरी भी 3 साल की रह जायेगी। भाजपा के लोग झूठ बोलकर सत्ता में आते है। भाजपा देश में महंगाई, बेरोजगारी बढ़ा रही है। भाजपा संविधान बदलना चाहती है, लेकिन जो संविधान बदलना चाहते है इस बार जनता उन्हे बदल देगी। उन्होंने भाजपा हटाओ संविधान बचाओ का भी नारा देते हुए कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो बेरोजगारों को नौकरी व रोजगार मिलेगा। चूड़ी का व्यापार बढ़ेगा। परिवार में खुशियां आएंगी। उन्होंने भाजपा से सावधान रहने की बात कहते हुए सपा उम्मीदवार अक्षय यादव को जिताने का आहवान किया। इससे पूर्व सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने भी भाजपा किसान, गरीब, नौजवानों की नहीं बल्कि पूंजीपतियों की पार्टी है। केंद्र की 10 साल और यूपी की 7 साल की भाजपा सरकार की वजह से आज देश संकट में पहुंच गया है। देश व संविधान बचाने की जिम्मेदारी आपकी है इसलिए 7 मई को सपा उम्मीदवार अक्षय यादव को भारी मतों से जिताकर संसद भेजे।

लखनऊ में तत्कालीन दारुलशफा चौकी इंचार्ज समेत पांच पर केस दर्ज

लखनऊ (हिंस)। पीजीआई थाना क्षेत्र में तत्कालीन दारुलशफा चौकी इंचार्ज समेत पांच पर केस दर्ज कर किया है। चोरी के आरोप में पुलिस ने महिला को थर्ड डिग्री दी थी। पीड़ित महिला का आरोप है कि पुलिस का मामला होने पर हजरतगंज कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज नहीं कर रही थी। वह न्याय के लिए कई अधिकारियों के पास गयी, लेकिन किसी ने भी उसकी फरियाद नहीं सुनी। इसके बाद पीड़िता ने सक्षम न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज हुआ है। आरोप है कि तत्कालीन चौकी इंचार्ज ने चोरी के आरोप में महिला को बहुत पीटा था। पुलिस की बर्बरता से महिला खून से लथपथ हुई थी।

सनातन हिंदू धर्म का अपमान करने वाली विचारधारा के लोगों को जड़ से मिटाना आवश्यक : बिरेन्द्र साहु

रांची (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र सहमंत्री (झारखंड-बिहार) डॉ. बिरेन्द्र साहु ने राहुल गांधी के भाषण पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सनातन हिंदू धर्म का अपमान करने वाली विचारधारा के लोगों को जड़ से मिटाना आवश्यक है। हिंदू समाज जिस द्वारिका नगरी के दर्शन करने मात्र को सौभाग्य समझता है, उस परम आराध्य स्थल का अपमान

करना हिंदू समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। लोकतंत्र के इस महापर्व में हिंदू समाज इसका उत्तर अवश्य देगा। डॉ. साहू ने शनिवार को हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि भगवान पुरुषोत्तम श्री रामजी को काल्पनिक कहने वाले और भगवान श्रीकृष्ण की अपमान करने वाले को इस देश के शासन व्यवस्था में रहने का कोई अधिकार नहीं है। डॉ. साहू ने हिंदू समाज से अपील किया है कि भारतीय धार्मिक-सांस्कृतिक संरक्षण, मानबिंदुओं की सुरक्षा, देश की गरिमा और भारतीय सीमा को कड़ी सुरक्षा देने वाले देशभक्ति से ओतप्रोत व्यक्तियों को शतप्रतिशत मतदान करके राष्ट्र को परम वैभवशाली बनाने का कार्य करें। देशद्रोहियों के मतदान जिहाद करने की बात करने वाले लोगों का प्रतिकार करने का समय है।

सैन जयंती महोत्सव का आगाज रक्तदान शिविर के साथ

जोधपुर (हिंस)। सैन समाज के आराध्य सैनजी महाराज की 724वीं जयंती समारोह का आगाज शनिवार को रक्तदान शिविर के साथ हुआ। इस बार 15वां रक्तदान शिविर लगाया गया है। श्री सैन रक्तदान समिति द्वारा जूना खेड़ापति हनुमान मंदिर में 15वां रक्तादान व मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सा जांच शिविर लगाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सेनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज, शंकरलाल महाराज, कमलेश पुरोहित व करणसिंह राठौड़ उपस्थित थे। इस अवसर पर सैन समाज के अचलानंद गिरी महाराज ने रक्तदान की महत्ता प्रतिपादित करते हुए युवाओं को इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। समिति के अध्यक्ष राकेश सैन ने बताया कि सैन जंयती महोत्सव के अंतर्गत रक्तदान शिविर में समाज के युवाओं और मातृशक्ति ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग ने प्रदेशभर में निकाली नारायण दर्शन यात्रा

जयपुर (हिंस)। सनातन के मूल सिद्धांत एकम् ब्रह्म को स्थापित करने, सामाजिक समरसता तथा सद्भाव बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग की ओर से प्रदेश भर में निकाली जा रही नारायण दर्शन यात्रा के अंतर्गत शनिवार को मुरलीपुरा, झोटवाड़ा, करधनी सहित अन्य इलाकों में नारायण नाम कीर्तन करते हुए यात्रा निकाली गई। समाज में श्रद्धा और सम्मान प्राप्त संतों-महंतों, साधकों के सान्निध्य में निकाली यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल हुए। वंचित समाज की बस्तियों में जाकर संतों-महंतों ने आशीर्वचन दिए। बस्ती वासियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सभी ने एक-दूसरे के हाथों से प्रसाद ग्रहण किया। शनिवार को सुबह मुरलीपुरा की देवधारा कॉलोनी के हरनाथ मंदिर से रामेश्वर धाम कॉलोनी स्थित श्री गौड़ विप्र समाज भवन तक नारायण दर्शन यात्रा निकाली गई। हनुमत और गायत्री साधक मनु महाराज के सान्निध्य में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग नारायण कीर्तन करते हुए चल रहे थे। श्री गौड़ विप्र समाज भवन में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के प्रतिनिधि महेन्द्र कुमार ने कहा कि हमारी संस्कृति हमेशा से ही समरसता की रही है। हर व्यक्ति को सम्मान मिला है। ऋषि-मुनियों ने हर नर में नारायण का दर्शन करने पर जोर दिया। जगद्गुरु रामानंदाचार्य महाराज ने जाति पाति के बजाय प्रेम को महत्व दिया। संत नामदेव ने तो श्वान में भी नारायण के दर्शन किए। इस मौके पर प्रकाश गुप्ता, शंकर लाल जोशी, सीताराम शर्मा, चंद्र प्रकाश भिंडा, कांतिलाल चंदेल, गिरधारी लाल शर्मा, छगन सिंह, जयप्रकाश शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। नारायण दर्शन यात्रा के प्रांत संयोजक राजेंद्र प्रसाद धर्मगुरु ने बताया कि हम तथा हमारा कार्य किसी के खिलाफ नहीं है। जयपुर प्रांत की 1080 बस्तियों में नारायण दर्शन का कार्यक्रम होना है। इसके तहत संत-महंत बस्तियों में जाकर आशीर्वचन करेंगे। उनके बनाया हुआ प्रसाद ग्रहण करेंगे। शनिवार को तेजाजी नगर, करधनी नगर की रैगर बस्ती, निवारू रोड की बंजारा बस्ती, दादी का फाटक मुरलीपुरा की गाडिया लुहार बस्ती में भी नारायण दर्शन यात्रा निकाली गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग के महानगर प्रमुख राजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि अभी तक जयपुर महानगर की लगभग 65 बस्तियों में यह कार्यक्रम हो चुके है। रविवार को 27 स्थानों पर कार्यक्रम होंगे। इसमें एक कुआ, एक मंदिर और एक श्मशान की सनातन धर्म की परम्परा का संदेश दिया जाएगा। निवारू की रैगर बस्ती में राम कुटिया के संत अच्युत कृष्ण दास महाराज का सान्निध्य और वरिष्ठ प्रचारक सूर्यप्रकाश (जयपुर प्रांत सेवा प्रमुख) का मार्ग दर्शन मिलेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग के महानगर प्रमुख राजेंद्र त्रिवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सेवा विभाग, जयपुर महानगर की ओर से नारायण दर्शन यात्रा का कार्यक्रम महानगर की 258 बस्तियों में किया जा रहा है। सभी हिंदू भारत माता की संतान है। इसलिए सहोदर भाई हैं। कोई भी हिंदू पतित या नीच नहीं हो सकता। हिंदुओं की रक्षा मेरी दीक्षा है, समानता यही मेरा मंत्र है। अभी तक लगभग 60 बस्तियों में नारायण दर्शन यात्रा का कार्यक्रम संपन्न हो चुका है। साधु, संत, महात्मा एवं कथा वाचकों के कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक समरसता, संस्कार, संस्कृति, धर्म के प्रति आस्था और सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

श्री श्री रविशंकर ने बाबा काशी विश्वनाथ व काल भैरव मंदिर में किया दर्शन पूजन

वाराणसी (हिंस)। आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता आध्यात्मिक गुरू श्रीश्री रविशंकर ने काशी में प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव और श्री काशी विश्वनाथ दरबार में हाजिरी लगाई। कालभैरव मंदिर में विग्रह की आरती उतारकर आह्लादित नजर आए श्री श्री रविशंकर को देख आम श्रद्धालुओं ने भी हर—हर महादेव के उद्घोष से उनका स्वागत किया। श्री काशी विश्वनाथ धाम में मंदिर के गर्भगृह में आध्यात्मिक गुरू ने पावन ज्योर्तिलिंग का अभिषेक किया।

भोजपुरी अभिनेत्री अमृता पांडे मौत मामले में नया खुलासा

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार गला दबाकर की गई हत्या

भागलपुर (हिंस)। जिले के जोगसर थाना क्षेत्र अंतर्गत दिव्य धाम अपार्टमेंट में बीते 27 अप्रैल की शाम भोजपुरी अभिनेत्री अमृता पांडे का संदिग्ध अवस्था में फंदे से लटका हुआ शव मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ है उससे पुलिस की चुनौती बढ़ गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक अमृता पांडे की गला दबाकर हत्या की गई थी। वहीं एफएसएल ने इससे पहले इसे आत्महत्या बताया है। एसएसपी आनंद कुमार ने शनिवार को कहा कि युवती के शव मिलने का मामला सामने आया था। एफएसएल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आया। दोनों रिपोर्ट अलग-अलग है। मामले की जांच के लिए फोरेंसिक साइंस के एचओडी से पैनल बनाकर जांच के लिए रिकवेस्ट किया गया है। आत्महत्या है या हत्या है हत्या था तो इसका मूल कारण क्या है। पुलिस भी पूरे मामले की जांच में जुटी है। अमृता पांडे के परिजन के मुताबिक वह ओसीडी बीमारी से ग्रसित थी। इससे पहले भी उसने दो दफा आत्महत्या करने की कोशिश की थी। उल्लेखनीय है कि अमृता पांडे कई भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी थी। खेसारी लाल के साथ दीवानापन फिल्म में लीड रोल निभाया था।

2050 तक आबादी में 20 प्रतिशत होंगे बुजुर्ग : समय की मांग है वयस्कों का टीकाकरण

जयपुर (हिंस)। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड) की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत में 2036 तक 50 साल से ऊपर के लोगों की संख्या 2020 के 26 करोड़ से बढ़ाकर 40.4 करोड़ होने की उम्मीद है। 2050 तक हर पांच में से एक व्यक्ति (20 प्रतिशत) 50 वर्ष से अधिक उम्र का होगा। ऐसे में भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ती उम्र की इस आबादी की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। बढ़ती उम्र के साथ आने वाली प्रमुख चुनौतियों में निमोनिया, इन्फ्लूएंजा और शिंगल्स जैसी संक्रामक बीमारियों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता है। ये संक्रमण बुजुर्गों पर व्यापक शारीरिक, मानसिक और आर्थिक दुष्प्रभाव डाल सकते हैं। शिंगल्स मूलत: पुराने चिकन पॉक्स वायरस की पुन: सक्रियता से होने वाला दर्दनाक संक्रमण है। यह संक्रमण *पोस्टहेरपेटिक न्यूराल्जिया* नाम की एक दर्दनाक जटिलता का कारण

भी बन सकता है। यह संक्रमण न केवल जीवन की गुणवत्ता पर दुष्प्रभाव डालते हैं, बल्कि इनसे भारत के हेल्थकेयर सिस्टम पर भी बोझ पड़ता है। हृदय रोग, सांस की बीमारी और डायबिटीज जैसी पुरानी बीमारियों से पीड़ित उम्रदराज वयस्क संक्रामक रोगों के प्रति और भी अधिक संवेदनशील होते हैं। 2017 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में संक्रामक रोग से संबंधित मौतों में 95 प्रतिशत से अधिक मौतें बड़ी उम्र के लोगों की होती हैं। ये बीमारियां न केवल कमजोर करती हैं, बल्कि इनसे एनसीडी से जुड़े लक्षण भी बढ़ते हैं, जिससे अस्पताल में भर्ती होने की आशंका बढ़ जाती है। संक्रामक रोगों की इस चुनौती से निपटने की दिशा में वयस्कों का टीकाकरण एक आशाजनक समाधान है। लेकिन इन टीकों को लेकर समाज में स्वीकार्यता चिंताजनक रूप से बहुत कम है। सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यूआईपी) के दम पर बच्चों को लगने वाले टीकों के मामले में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन वयस्कों के टीकाकरण में स्थिति अब भी चिंताजनक है। वयस्कों के टीकाकरण पर एपीआई-इप्सोस के 2023 सर्वेक्षण के डाटा से पता चलता है कि 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के 71 प्रतिशत लोग वयस्कों को लगने वाले टीकों के बारे में जानते हैं, फिर भी मात्र 16 प्रतिशत ने ही ऐसा कोई टीका लगवाया है। जागरूकता और स्वीकार्यता के बीच इस अंतर को देखते हुए बढ़ती उम्र की आबादी के बीच लक्षित अभियानों की जरूरत सामने आई है। राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सुधीर भंडारी कहते हैं बढ़ती उम्र के साथ प्रतिरक्षा शक्ति में गिरावट से हम संक्रमणों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं, लेकिन टीकाकरण हमारी प्रतिरक्षा शक्ति को मजबूतकर सकता है। दुर्भाग्य से भारत में वयस्कों के टीकाकरण के प्रति जागरूकता कम है। वह सभी वयस्कों से कहना चाहते है कि वैक्सीन से रोकी जा सकने वाली इन्फ्लूएंजा, शिंगल्स और न्यूमोकोकल जैसी बीमारियों के लिए उपलब्ध टीकाकरण के विकल्पों के बारे में अपने डॉक्टरों से परामर्श करें। इस वर्ष के विश्व टीकाकरण सप्ताह के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की थीम *ह्यूमनली पॉसिबल सेविंग लाइव्स थ्रू इम्यूनाइजेशन* (मानवीय रूप से संभव टीकाकरण के माध्यम से जीवन रक्षा) बीमारियों को रोकने और जीवन रक्षा में टीकाकरण के महत्व पर जोर देती है। टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम (ईपीआई) के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने देशों से भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए टीकाकरण कार्यक्रमों में निवेश का आह्वान किया है। भारत में वयस्क टीकाकरण की आवश्यकता सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। 2036 तक भारत में बुजुर्गों की आबादी 40.4 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इसलिए अब कदम उठाने का समय आ गया है। जागरूकता को बढ़ावा देकर, संवाद को प्रोत्साहित करके और वयस्क टीकाकरण को प्राथमिकता देकर, हम अपनी बुजुर्ग होती आबादी के स्वास्थ्य एवं कल्याण की रक्षा कर सकते हैं और भारत में स्वस्थ बुढ़ापे का आधार तैयार कर सकते हैं।

गूगल प्रतिस्पर्धा रोकने को हर साल खर्च कर रहा 20 अरब डॉलर, अमेरिकी न्याय विभाग के वकीलों का दावा

वॉशिंगटन।
दिग्गज सर्च इंजन गूगल से जुड़े उच्च स्तरीय अविश्वास मुकदमे में अमेरिकी न्याय विभाग के वकीलों ने अपनी समापन दलील में दावा किया कि गूगल मोनोपोली (एकाधिकार) के लिए हर साल 20 अरब डॉलर से अधिक खर्च करता है। दूसरी ओर गूगल ने जोर देकर कहा कि वह अपने उपभोक्ताओं की खोजी गई जानकारी का तुरंत और बेहतर परिणाम उपलब्ध कराता है। यही उसकी सर्वव्यापकता और उत्कृष्टता का कारण है। उच्च स्तरीय अविश्वास मुकदमे में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो गई। अब अमेरिकी जिला जज अमित मेहता अगली सुनवाई में अपना फैसला सुनाएंगे। भारतवंशी जज यह तय करेंगे कि क्या गूगल ने सर्च इंजन एकाधिकार को हासिल करने के लिए नियमों का पालन किया है या नहीं। यह बीते दो दशकों का सबसे बड़ा अविश्वास मुकदमा है। यह मुकदमा इस बात के इर्द-गिर्द घूमता है कि एपल जैसी कंपनियों के साथ सेलफोन और कंप्यूटर पर प्रीलोडेड डिफॉल्ट सर्च इंजन बनने के करार से गूगल को कितना फायदा होता है।

10 हफ्ते से अधिक चली सुनवाई के दौरान जहां इस बात के सबूत मिले कि गूगल ऐसे करारों पर सालाना 20 अरब डॉलर से अधिक खर्च करता है। वहीं अमेरिकी न्याय विभाग ने दावा किया कि इतनी बड़ी रकम यह दर्शाती है कि गूगल के लिए डिफॉल्ट सर्च इंजन बनना कितना जरूरी है। उसकी यह महत्वाकांक्षा बाजार में एकाधिकार हासिल करने का पैंतरा है। उपभोक्ताओं को हमसे बेहतर सेवा मिले तभी तो वे दूसरे सर्च इंजन पर जाएंगे गूगल के वकील जॉन श्मिटलीन ने दावा किया कि उसकी सेवा सबसे बेहतर है। किसी भी सर्च पर वह सबसे बेहतर और सटीक जानकारी उपलब्ध कराता है। यही कारण है कि उपभोक्ता उसे चुनते हैं। गूगल ने कहा कि अगर उन्हें किसी अन्य सर्च इंजन पर हमसे बेहतर सेवा मिलेगी तो वह निश्चित ही उसे चुनेंगे, लेकिन ऐसा होता नहीं है। यही गूगल की उत्कृष्टता है और प्रतिद्वंदियों से वह आगे है।

न्यूज ब्रीफ

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की गिरावट, 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 640.334 अरब डॉलर था

नई दिल्ली । बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की तेज गिरावट हुई है। अब अपना भंडार 637.922 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है, जबकि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट ही हो रही है। इससे पहले लगातार सात सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी ही हो रही थी। हालांकि, इसी समय अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में ऐसी स्थिति नहीं है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक 26 अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट हुई। इस दौरान अपना भंडार 2.412 बिलियन घटकर 637.922 बिलयन रह गया था। इससे पहले 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 640.334 अरब डॉलर था। इससे पहले पांच अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। यह सर्वकालिक उच्च स्तर है। आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां में 1.159 बिलियन की कमी हुई है। अब अपना फॉरेन करेंसी असेट भंडार घट कर 559.701 बिलयन का रह गया है। वहीं अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है।

चुनाव के बाद टेलीकॉम कंपनियां महंगे करेंगी टैरिफ

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में टैरिफ में 20-25 फीसदी बढ़ सकता है। पहले अनुमानों में केवल 10-15 फीसदी बढ़ने की उम्मीद थी। टेलीकॉम कंपनियां अभी भारतीय बाजार में कोई खास हलचल नहीं मचा रही हैं। पिछले एक साल में शेयर बाजार में टेलीकॉम कंपनियों के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई, जो 92 फीसदी है। वहीं सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल के शेयरों में 65 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टेलीकॉम क्षेत्र की दूसरी कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। इंडस टावर्स के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी आई, तो एमटीएनएल के शेयरों में 93 फीसदी का उछाल देखा गया। टाटा कम्युनिकेशंस के शेयरों में 38 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) के शेयरों में 32 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बोफा सिक्योरिटीज का मानना है कि प्योर टेलीकॉम कंपनी के रूप में, वोडाफोन आइडिया टैरिफ बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकता है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रति यूजर औसत राजस्व में 5 फीसदी की बढ़ोतरी होती है, तो कंपनी की प्रति शेयर आय में 12 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है।

सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले मसालों की ईटीओ जांच अनिवार्य

नई दिल्ली । सिंगापुर और हांग कांग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर सवाल उठने के बाद भारत के

स्पाइसेज बोर्ड ने दोनों देशों को निर्यात किए जाने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की जांच अनिवार्य कर दी गई है। 6 मई से ऐसी जांच अवश्य करनी होगी और स्पाइसेज बोर्ड से इस बारे में सर्टिफिकेट मिलने पर ही इन दोनों देशों को मसाले भेजे जाएंगे। बोर्ड के मुताबिक सिंगापुर फूड एजेंसी के मुताबिक, मसालों में ईटीओ की मैक्सिमम रेजिड्यू लिमिट 50पीपीएम होनी चाहिए। हांग कांग में ईटीओ प्रतिबंधित है। लिहाजा रेडी टु ईट प्रोडक्ट्स सहित सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले सभी स्पाइस कंसाइनमेंट्स के साथ स्पाइसेज बोर्ड की ओर से जारी एनालिटिकल रिपोर्ट होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक भारत के लिए यह मामला काफी संवेदनशील है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद, क्या किसी बड़े आर्थिक संकट से निपटने की हो रही तैयारी

नई दिल्ली।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च में 5 टन गोल्ड खरीदा है। इस दौरान दुनिया भर के अन्य केंद्रीय बैंकों ने भी अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के मुताबिक, मार्च में सोने की शुद्ध खरीदारी 16 टन रही। सोने की भारी डिमांड के चलते कुल खरीद 40 टन से अधिक रही। हालांकि, इस दौरान करीब 25 टन सोना बेचा भी गया।

उच्चतम स्तर पर गोल्ड रिजर्व

भारत की बात करें, तो रिजर्व बैंक का गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अप्रैल की शुरुआत में आरबीआई के पास 822.1 टन गोल्ड था। इसका मतलब कि इस केंद्रीय बैंक ने 18.5 टन सोने की शुद्ध खरीद की है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं, इस साल की पहली छमाही खत्म होने से पहले ही वह इससे ज्यादा गोल्ड खरीद चुका है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद, क्या किसी बड़े आर्थिक संकट से निपटने की हो रही तैयारी

मार्च में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। आरबीआई ने 5 टन गोल्ड खरीदा और उसका गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं इस साल वह अब तक वह 18.5 टन गोल्ड खरीद चुका है। चीन के केंद्रीय बैंक ने भी सोने की खरीद बढ़ाई है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद, क्या किसी बड़े आर्थिक संकट से निपटने की हो रही तैयारी

आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च में 5 टन गोल्ड खरीदा है। इस दौरान दुनिया भर के अन्य केंद्रीय बैंकों ने भी अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के मुताबिक, मार्च में सोने की शुद्ध खरीदारी 16 टन रही। सोने की भारी डिमांड के चलते कुल खरीद 40 टन से अधिक रही। हालांकि, इस दौरान करीब 25 टन सोना बेचा भी गया।

उच्चतम स्तर पर गोल्ड रिजर्व

भारत की बात करें, तो रिजर्व बैंक का गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अप्रैल की शुरुआत में आरबीआई के पास 822.1 टन गोल्ड था। इसका मतलब कि इस केंद्रीय बैंक ने 18.5 टन सोने की शुद्ध खरीद की है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं, इस साल की पहली छमाही खत्म होने से पहले ही वह इससे ज्यादा गोल्ड खरीद चुका है।

दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मार्च के दौरान सोने की खरीद बढ़ाई। इसमें खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी अधिक रही।

तुर्किये ने खरीदा सबसे ज्यादा सोना

मार्च में सेंट्रल बैंक ऑफ तुर्किये सोने का सबसे बड़ा खरीदार रहा। उसने अपने गोल्ड रिजर्व में 14 टन का इजाफा किया है। भारत के रिजर्व बैंक ने अपनी गोल्ड होल्डिंग को 5 टन बढ़ाया है। वहीं, पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने भी अपने गोल्ड रिजर्व में 5 टन और जोड़ा है। अन्य बड़े खरीदारों में कजाकिस्तान और सिंगापुर रहे। दोनों ने अपने सोने के भंडार को 4-4 टन बढ़ाया है। वहीं, रूस ने भी मार्च में 3 टन सोना खरीदा है।

केंद्रीय बैंकों की सोने की खरीद बढ़ाने से पता चलता है कि उनका इस कीमती धातु में भरोसा बना हुआ है, क्योंकि इससे आर्थिक अनिश्चितताओं से निपटने में मदद मिलती है। सोने को हमेशा से सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। खासकर, जब मार्केट ज्यादा अस्थिर होता है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली तिमाही में दुनिया भर में सोने की मांग सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़ी है। यह गोल्ड डिमांड के लिहाज से 2016 के बाद सबसे मजबूत पहली तिमाही है।

रिपोर्ट में दावा- गर्मी में एसी की अधिक मांग, पांच फीसदी तक बढ़े दाम- कंपनियों के सामने आपूर्ति की समस्या

नई दिल्ली।
तापमान बढ़ने के कारण देशभर में एयर कंडीशनर (एसी) की मांग बढ़ गई है। खासकर उत्तर और मध्य भारत में। बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माता कंपनियों ने एसी के दाम पांच फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। आनंद राठी फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अप्रैल के बाद मई और जून में भी देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। इससे जून मध्य तक एसी की मांग मजबूत बनी रहेगी। लेकिन, आपूर्ति के मोर्चे पर एसी निर्माता कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती मांग और कम आपूर्ति को देखते हुए कई राज्यों में निर्माता कंपनियों ने एसी के दाम बढ़ा दिए हैं। ब्लू स्टार ने अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में तीन-पांच फीसदी की बढ़ोतरी की है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में अप्रैल में औसत न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस था। यह 1901 के बाद से सबसे अधिक है। यूपी-हरियाणा में 25 फीसदी तक बढ़ी मांग मध्य भारत में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संख्या के लिहाज से एसी की मांग 15-20 फीसदी बढ़ गई है। उत्तर भारत में राजस्थान और हरियाणा में होली के बाद से ही एसी की मांग में उछाल देखने को मिल रहा है। इन दोनों राज्यों में मांग में 20-25 फीसदी तक तेजी दर्ज की गई है। स्थानीय डीलरों ने मई में मांग 25-30 फीसदी और बढ़ने की उम्मीद जताई है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु में एसी की मांग 40-50 फीसदी तक बढ़ी है। कर्नाटक और तेलंगाना में 15-20 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पूर्वी भारत में ओडिशा में मांग 25-30 व झारखंड में 10-15 फीसदी बढ़ी है। गुजरात और महाराष्ट्र समेत पश्चिमी भारत में अप्रैल मध्य के बाद से ही एसी की मांग बढ़ गई है। इन राज्यों में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गईहै। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के स्थानीय डीलरों का कहना है कि लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण एसी की मांग में वृद्धि की तुलना में निर्माता कंपनियों की ओर से आपूर्ति कम हो रही है। इससे एसी की डिलीवरी में लगने वाला समय बढ़ गया है।

भारत के साथ रुपये में व्यापार करेगा नाइजीरिया यूपीआई के जरिये संभव होगा डिजिटल भुगतान

नई दिल्ली ।
भारत और नाइजीरिया ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए स्थानीय मुद्रा में व्यापार पर जल्द एक समझौता करेंगे। इसके अलावा नाइजीरिया डिजिटल भुगतान के लिए भारत के यूपीआई का इस्तेमाल करेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल मे ही नाइजीरिया की यात्री की है, जहां अबूजा में दोनों पक्षों ने कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, औषधि, बिजली उत्पादन सहित कई ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें व्यापार व सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा दोनों देश इस बात के लिए सहमत हुए हैं कि स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) समझौता किया जाए, ताकि दोनों देश एक-दूसरे की मुद्रा में व्यापार के लिए भुगतान कर सकें। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अतिरिक्त सचिव अमरदीप सिंह भाटिया के

नेतृत्व में भारत के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय एक्जिम बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अधिकारी शामिल थे। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी निवेश को बढ़ाने के लिए कई क्षेत्रों की पहचान की है। नाइजीरिया अफ्रीका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।2022-23 में 1,108 करोड़ डॉलर रहा द्विपक्षीय व्यापार भारत और नाइजीरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 1,108 करोड़ डॉलर रहा है। इसके अलावा 2,700 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ करीब 135 भारतीय कंपनियां नाइजीरिया में सक्रिय हैं। ये निवेश विविध क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जिनमें बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं।

सरकार ने प्याज निर्यात से बैन हटाया: एक हजार किलो प्याज 45,800 से कम में नहीं बेच सकेंगे, 40 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी भी लगेगी

नई दिल्ली।
सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट से बैन हटा दिया है। हालांकि, इसके लिए मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस 550 डॉलर यानी करीब 45,800 रुपए प्रति मीट्रिक टन तय कर दी है। यानी जो प्याज एक्सपोर्ट की जाएगी उसकी कीमत मिनिमम 45,800 रुपए प्रति मीट्रिक टन होना जरूरी है। यह आदेश आज से ही लागू हो गया है और अगले आदेश तक मान्य रहेगा। इसके अलावा सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का भी फैसला लिया है। पिछले साल दिसंबर में जब प्याज की कीमत 70 से 80 रुपए पहुंच गई थी तब सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था। तीसरे चरण की वोटिंग से पहले हटा प्याज एक्सपोर्ट बैन पिछले साल दिसंबर में सरकार ने 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात

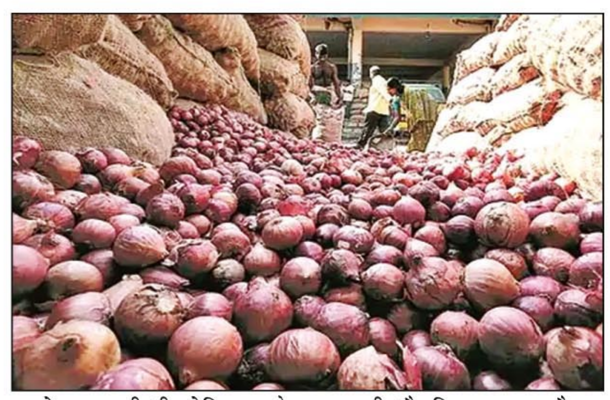

पर रोक लगा दी थी, लेकिन उसके बाद देशों के अनुरोध के आधार पर इसके शिपमेंट की अनुमति दी गई थी। इसके बाद पिछले महीने ही सरकार ने अगले आदेश तक प्याज के एक्सपोर्ट बैन को बढ़ा दिया था। एक्सपोर्ट बैन बढ़ने के बाद से व्यापारी और किसान, खास तौर पर महाराष्ट्र के किसान एक्सपोर्ट बैन हटाने का आग्रह कर रहे थे। उनका कहना था कि इससे किसानों को बेहतर कीमत पाने में मदद मिलेगी। अब सरकार ने ऐसे समय बैन हटाया है, जब 7 मई को लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की वोटिंग होने वाली है। नवरात्रि के बाद तेजी से बढ़े थे प्याज के दाम अक्टूबर में नवरात्रि के बाद देशभर में प्याज की कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं और केवल एक हफ्ते में दोगुने से ज्यादा बढ़ गईं थीं। जिसके बाद सरकार ने कंज्यूमर्स के ऊपर बोझ कम करने के लिए 27 अक्टूबर से नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन और नेफेड जैसे सरकारी बिक्री केंद्रों के जरिए 25 रुपए किलो के रेट से प्याज की बिक्री शुरू की थी। प्याज भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा प्याज हमेशा से भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, खासकर जब चुनाव का समय आता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने खुद 1980 के केंद्रीय चुनावों को प्याज का चुनाव बताया था।

100 करोड़ रुपये के पोंजी घोटाले में ईडी सख्त, कई स्थानों पर मारे छापे

मुंबई।
मुंबई के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 100 करोड़ रुपये के पोंजी घोटाला मामले में एक बार फिर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच एजेंसी ने पुणे, नासिक और कोल्हापुर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान व्यवसायी विनोद तुकाराम खुटे, उनके परिवार के सदस्यों और दुबई के सहयोगी द्वारा संचालित पोंजी योजनाओं, अवैध विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफार्म से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की गई।

पांच करोड़ रुपये की नकदी जब्त

ईडी ने तलाशी अभियान के दौरान पांच करोड़ रुपये की नकदी, बैंक में जमा धन

और आभूषण जब्त किए। जब्त धन को विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों के साथ फ्रीज कर दिया।

इन लोगों पर आरोप

जांच एजेंसी ने बताया कि पुणे के भारती विद्यापीठ स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर जांच की गई। शिकायत में विनोद खुटे, संतोष खुटे, मंगेश खुटे, किरण पीतांबर अनारासे, अजिंक्य बदाधे और अन्य के खिलाफ आरोप है कि यह लोग पोंजी या मल्टी मार्केटिंग योजनाओं और विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफार्म के नाम पर आम लोगों के साथ धोखाधड़ी करते हैं।

यह है मास्टरमाइंड

ईडी ने अपने बयान में यह भी बताया कि जांच से पता चला है कि फरार चल रहा विनोद खुटे शायद फिलहाल दुबई में रह रहा है। वह वीआईपीएस के माध्यम से विभिन्न अवैध बहु-स्तरीय मार्केटिंग और पोंजी योजनाओं, अवैध व्यापार, क्रिप्टो एक्सचेंज, ग्लोबल एफिलिएट बिजनेस, काना कैपिटल, रियल गोल्ड कैपिटल, फीनिक्स एफएक्स और वॉलेट सेवाओं का मास्टरमाइंड है।

धन एकत्र करने और लेनदेन के एक नेटवर्क का खुलासा

विभिन्न फर्जी संस्थाओं के माध्यम से धन एकत्र करने और लेनदेन के एक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। इसके परिणामस्वरूप धन की निकासी और फिर क्रिप्टो और आभासी संपत्तियों में या हवाला चैनलों के माध्यम से दुबई में इसे स्थानांतरित करने का मामला सामने आया। इससे पहले इस मामले में ईडी ने तलाशी अभियान चलाया और तीन अनंतिम कुर्की आदेश जारी किए। इसके परिणामस्वरूप विनोद खुटे और उनके रिश्तेदारों की भारत और दुबई में 70.86 करोड़ रुपये की विभिन्न बैंक शेष, अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया।

देश में दोपहिया वाहनों पर सर्वाधिक जीएसटी, बजाज ऑटो के सीईओ राजीव बजाज बोले- ज्यादा नियमन से बढ़ रही कीमत

नई दिल्ली। बजाज ऑटो के सीईओ राजीव बजाज का कहना है कि भारत में दोपहिया वाहनों पर सबसे अधिक जीएसटी है। यहां हम 28 फीसदी जीएसटी दे रहे हैं। आसियान देशों व लैटिन अमेरिका में यह दर 8 से 14 फीसदी है। दोपहिया वाहनों की कीमतें बढ़ने का एक और कारण देश में ज्यादा नियमन भी है। बजाज ने एक कार्यक्रम में कहा, दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दर को लेकर सरकार को फिर से सोचना चाहिए। इसे घटाकर 8 से 14 फीसदी के बीच लाना चाहिए। बजाज ने पूछा, ऐसा क्यों है कि देश में आम आदमी के वाहनों पर हमें 28 फीसदी की जीएसटी दर का भुगतान करना चाहिए अगर यह दर कम होती है तो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक दोपहिया वाहन की पहुंच होगी। भारत में दोपहिया वाहनों की वृद्धि कोविड-19 महामारी के अलावा कीमतों में बढ़ोतरी और नियमों में बदलाव से प्रभावित हुई है। बीएस-6 जैसे मानदंड अच्छे बजाज के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की कीमत में इस तरह का नाटकीय बदलाव कई चीजों के कारण है। इसमें सबसे बड़ा कारण अत्यधिक नियमन है। इस पर भी सरकार को विचार करने की जरूरत है। बीएस-6 जैसे मानदंड अच्छे हैं। बजाज ने कहा, हम उच्चतम स्तर पर नियमन चाहते हैं। उदाहरण के लिए उत्सर्जन जैसे नियमन से हम खुश हैं। इससे सभी को स्वच्छ हवा मिलेगी। पर, उद्योग की चिंताओं को भी दूर करने की जरूरत है।

भारत के 7 बैडमिंटन खिलाड़ियों को ओलिंपिक टिकट : तीन सिंगल्स और दो डबल्स इवेंट में लेंगे भाग, सिंधू से तीसरे मेडल की उम्मीद

नई दिल्ली।
इस साल जुलाई में पेरिस में होने वाली ओलिंपिक गेम्स में बैडमिंटन में भारत के सात खिलाड़ी अपनी रैंकिंग के आधार पर 5 इवेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु, पूर्व वर्ल्ड नंबर वन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने सिंगल्स इवेंट के लिए अपनी जगह पक्की की है। वहीं मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी और विमेंस डबल्स में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

ओलिंपिक के लिए क्वालिफाइंग के लिए क्या नियम थे

ओलिंपिक में बैडमिंटन के टॉप 16 खिलाड़ी भाग लेते हैं। साथ ही एक देश से एक इवेंट में दो खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। जुलाई में होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 30 अप्रैल तक की रैंकिंग को निर्धारित किया गया था।

इसके के आधार पर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

भारतीय खिलाड़ियों की क्या रही रैंकिंग

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और ओलिंपिक की सिल्वर तथा ब्रॉन्ज मेडलिस्ट पीवी सिंधू 30 अप्रैल को जारी रैंकिंग में 14वें स्थान पर थी। हालांकि चीन की चार खिलाड़ी उनसे ऊपर रैंकिंग में थी और ओलिंपिक में एक देश से 2 खिलाड़ी ही भाग ले सकती हैं, ऐसे में सिंधू की रैंकिंग 12 हो गई। जबकि पुरुष सिंगल्स में प्रणय 9 वें और और लक्ष्य 13वें स्थान पर रहे।

जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। वहीं विमेंस डबल्स की जारी रैंकिंग में तनीषा और अश्विनि पोनप्पा की रैंकिंग 21वीं थीं। पर चीन के 4, जापान के 5 और कोरिया की 3 जोड़ी होने टॉप -16 में शामिल रही। चूंकि एक देश एक इवेंट में दो टीम या खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। ऐसे में तनीषा और अश्विनि की जोड़ी 13 पर पहुंच गई।

न्यूज़ ब्रीफ

शिमरॉन हेटमायर और शमार जोसेफ को मिली टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की टीम में जगह

नई दिल्ली। शिमरॉन हेटमायर को टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। 24 साल तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ जिन्होंने अपने करियर में केवल तीन टी20 मैच खेले हैं और इस फ़ॉर्मेट में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू भी नहीं किया है को भी टीम का हिस्सा बनाया गया है। निकोलस पूरन, आंद्रे रसल और जेसन होल्डर भी इस टीम का हिस्सा हैं। फ्लाइट मिस करने के बाद हेटमायर को 2022 टी20 विश्व कप की टीम से बाहर कर दिया गया था। पिछले साल भारत और इंग्लैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ में उन्होंने हिस्सा लिया था। हालांकि, इंग्लैंड सीरीज़ के अंतिम दो टी20 मैचों से उन्हें बाहर किया गया था और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सफेद गेंद की टीम में उन्हें जगह नहीं दी गई थी। 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज का पिछले दो संस्करण में प्रदर्शन काफ़ी निराशाजनक रहा है। 2021 में किरोन पोलार्ड की कप्तानी में केवल एक मैच जीतते हुए वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गए थे। एक साल के बाद ऑस्ट्रेलिया में पूरन की कप्तानी में वे मुख्य चरण में नहीं पहुंच सके थे। 2023 वनडे विश्व कप में भी वे नहीं क्वालीफाई कर पाए थे। वेस्टइंडीज के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेंस ने कहा, मैं हर किसी को यह साफ तौर पर बताना चाहता हूं कि आज हम जिस भी टीम की घोषणा कर रहे हैं हमें लगता है कि वह विश्व कप जीतने जा रही है।

विड वार्नर 70 प्रतिशत भारतीय और 30 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई हैं फ्रेजर-मैकगर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की युवा पावर-हिटिंग जोड़ी ट्रिस्टन स्टब्स और जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने गोल्फ सत्र, आईपीएल अनुभव, आक्रामक गेमप्ले, भविष्य की आकांक्षाओं को लेकर अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बातचीत की।

फ्रेजर-मैकगर्क ने दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा, वह (डेविड) उन सबसे नि:स्वार्थ लोगों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। उसके पास हमेशा सभी के लिए समय होता है। वह 24/7 आपकी मदद करना चाहता है। वह हर होटल में हमेशा मुझसे दो कमरे की दूरी पर रहता है। बस उसके कमरे में जाओ और हर सुबह कॉफी पिओ। उन्होंने कहा, वह ऑस्ट्रेलियाई से ज्यादा भारतीय हैं। यही मैं उनसे कहता हूं। मैं कहता हूं कि वह 70 फीसदी भारतीय हैं और 30 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई हैं। गोल्फ पर पहली छाप और जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, स्टब्स ने डीसी पॉडकास्ट पर कहा, मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता था, लेकिन वह मेरी जिंदगी की कहानी जानता था। फ़्रेज़र-मैकगर्क ने कहा, मुझे याद है कि मेरे मन में पहला विचार आया था, वह मेरी कल्पना से थोड़ा अधिक लंबा है। मैंने सोचा था कि वह थोड़ा छोटा होगा, लेकिन वह काफी बड़ा है और वह अब तक बिल्कुल ठीक है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा, हम कैप के लिए (गोल्फ) खेलते हैं।

अजय जडेजा बोले, विराट पारी की शुरुआत करें, तीसरे नंबर पर उतरें रोहित

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि आगामी टी20 विश्व में विराट कोहली को भारतीय टीम की पारी की शुरुआत करनी चाहिये जबकि कप्तान रोहित शर्मा को नंबर तीन पर उतरना चाहिये।

टी20 विश्व कप जून में वेस्ट इंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड से होना है। जडेजा ने कहा कि मेरे विचार से विराट पारी की शुरुआत करें। ऐसे में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर उतरें। इससे उन्हें आराम से खेलते हुए खेल को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। एक कप्तान के रूप में उनके दिमाग में उस समय बहुत कुछ चल रहा होगा। विराट के होने से निरंतरता की कमी नहीं रहेगी। इसलिए उन्हें खेलने का अवसर दिया जाना चाहिये। वह शीर्ष पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकते है। वह शुरूआती कुछ ओवर खेलने के बाद स्पिन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ हो हो जाते हैं। मेरी पसंद हमेशा से यही रही है कि अगर विराट इस टीम में हैं, तो उन्हें पारी की शुरुआत करनी चाहिये। साथ ही कहा कि उप-कप्तान हार्दिक पंड्या को लेकर इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी की नजरें हार्दिक पर रहेंगी।

पाकिस्तानी टीम के अंदर कुछ तनाव था, आर्मी कैंप खिलाड़ियों की बॉन्डिंग के लिए था : राशिद लतीफ

नई दिल्ली।
पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ सीनियर पुरुष टीम को आर्मी कैंप में प्रशिक्षण के लिए भेजने के पीछे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सोच के समर्थन में सामने आए हैं। पीसीबी ने टी20 विश्व कप 2024 से पहले पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षण के लिए एक अनूठा तरीका अपनाया था। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने काकुल में आर्मी स्कूल ऑफ फिजिकल ट्रेनिंग में प्रशिक्षण लिया। 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान टीम के फिटनेस मानकों के बारे में पीसीबी में शिकायतें उठाए जाने के बाद पाकिस्तान टीम को कठिन प्रशिक्षण सत्र से गुजरना पड़ा।

पाकिस्तानी टीम के अंदर कुछ तनाव था, आर्मी कैंप खिलाड़ियों की बॉन्डिंग के लिए था: राशिद लतीफपूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ सीनियर पुरुष टीम को आर्मी कैंप में प्रशिक्षण के लिए भेजने के पीछे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सोच के समर्थन में सामने आए हैं। पाकिस्तानी टीम के अंदर कुछ तनाव था, आर्मी कैंप खिलाड़ियों की बॉन्डिंग के लिए था: राशिद लतीफ पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ सीनियर पुरुष टीम को आर्मी कैंप में प्रशिक्षण के लिए भेजने के पीछे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सोच के समर्थन में सामने आए हैं। पीसीबी ने टी20 विश्व कप 2024 से पहले पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षण के लिए एक अनूठा तरीका अपनाया था। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने काकुल में आर्मी स्कूल ऑफ फिजिकल ट्रेनिंग में प्रशिक्षण लिया। 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के दौरान टीम के फिटनेस मानकों के बारे में पीसीबी में शिकायतें उठाए जाने के बाद पाकिस्तान टीम को कठिन प्रशिक्षण सत्र से गुजरना पड़ा। इसे नेटिज़न्स से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, लोगों ने इसका मज़ाक उड़ाया। हालांकि राशिद लतीफ ने पीसीबी के इस कदम की सराहना की. टीम की हालत बहुत अच्छी नहीं लग रही थी... टीम के अंदर थोड़ा तनाव दिख रहा था. उन्हें आर्मी ट्रेनिंग कैंप में साथ रहने का मौका मिला. अगर लाहौर या कराची में कोई कैंप होता तो पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने एक विशेष बातचीत में बताया, हर कोई मोबाइल पर रहता था, जब दिन खत्म हो जाता था, तो वे अपने कमरे में चले जाते थे, अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते थे और सुबह फिर आ जाते थे। अब कोई मोबाइल फोन नहीं था, कोई ध्यान भटकाने वाला नहीं था और सभी को सेना के प्रशिक्षण में एक साथ रहना पड़ता था, जिससे खिलाड़ियों के बीच संबंध बनाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, मैं इस बात से सहमत हूं कि क्रिकेट-विशिष्ट प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। लेकिन इसका कारण यह था कि शायद टीम में किसी तरह का तनाव था और इसीलिए उन्हें उस प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था। टीम के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए। शीर्षक को छोड़कर, यह कहानी एनडीटीवी स्टाफ द्वारा संपादित नहीं की गई है और एक सिंडिकेटेड फ़ीड से प्रकाशित हुई है।

आईसीसी इवेंट से इनकार करना भारत को उल्टा पड़ सकता है: राशिद लतीफ

नई दिल्ली।
पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा कि अगर भारत अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार करता है और इसमें भाग नहीं लेने का फैसला करता है, तो उसे विश्व शासी निकाय आईसीसी को तार्किक जवाब देना होगा। टीम इंडिया पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले सकती है, इसमें कहा गया है कि आयोजन स्थल को संभावित रूप से बदलने या हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने के बारे में चर्चा हो रही है। आप द्विपक्षीय सीरीज से इनकार कर सकते हैं. लेकिन आईसीसी आयोजनों से इनकार करना कठिन होगा। जब आईसीसी अपनी योजना बनाती है, तो टीमों को पता होता है कि उन्हें कहां खेलना है, जैसे पाकिस्तान को पता था कि उन्हें विश्व कप खेलने के लिए भारत जाना है, और क्रिकेट बोर्डों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाते हैं। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा, आईसीसी आयोजनों से इंकार करना थोड़ा कठिन लगता है... 1996 विश्व कप में, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने श्रीलंका जाने से इनकार कर दिया और पूरा समूह बदल गया और श्रीलंका चैंपियन बन गया। यह बहुत बड़ी गलती थी... अगर भारत या पाकिस्तान ने साइन इन किया है तो उन्हें उस इवेंट में जाना होगा। अगर सरकारी स्तर पर कोई परिस्थिति बनती है तो क्यों नहीं आ रहे इसका तार्किक जवाब देना होगा। आप पाकिस्तान में हालात सही नहीं हैं, इसका हवाला देकर द्विपक्षीय श्रृंखला से इनकार कर सकते हैं... मेरी राय में, आईसीसी आयोजन से इनकार करना उल्टा पड़ सकता है। पता चला है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को प्रस्ताव दिया है कि अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत के क्वालीफाइंग दौर के मैच विशेष रूप से एक ही शहर में आयोजित किए जाएं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बीच, पीसीबी ने आयोजन स्थल के रूप में कराची, रावलपिंडी और लाहौर को चुना है, जिसमें लाहौर फाइनल मैच की मेजबानी करेगा।

गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों का उम्दा प्रदर्शन, बांग्लादेश ने पहले टी20 मैच में जिम्बाब्वे को 8 विकेट से दी मात

नई दिल्ली।
बांग्लादेश ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे को 8 विकेट से मात दी। पांच मैचों की सीरीज में बांग्लादेश ने 1-0 से बढ़त बना ली है। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने उम्दा प्रदर्शन किया। बांग्लादेश की पारी के दौरान बारिश आई थी लेकिन पूरा मैच देखने को मिला।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। 8 के स्कोर पर क्रेग एर्विन बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। 36 के स्कोर पर मेहमान टीम को दूसरा झटका लगा। जे गम्बी 17 रन बनाकर आउट हुए। ब्रायन बेनेट 16 रन बनाकर रन आउट हुए।

चार बल्लेबाज नहीं खोल सके खाता

शॉन विलियम्स और कप्तान सिकंदर रजा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। क्लाइव मदांडे ने एक छोर संभलाते हुए 43 रन की पारी खेली। मदांडे को तस्कीन अहमद ने अपना शिकार बनाया। रयान बर्ल भी अपना खाता नहीं खोल सके। मसाकाद्जा 34 रन बनाकर टीम को 124 रन के सम्मानजनक स्कोर तक लेकर गए।

तंजीद हसन ने जड़ा अर्धशतक

बांग्लादेश की तरफ से तस्कीन अहमद और सैफुद्दीन ने 3-3 विकेट लिए। महेदी हसन को दो विकेट मिला। 125 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने लिटन दास (1 रन) का विकेट जल्दी गिर गया। इसके बाद तंजीद हसन (नाबाद 67 रन) और नजमुल हसन शांतो (21 रन) के साथ टीम का स्कोर आगे लेकर गए। इसके तंजीद और तौहीद हृदय (नाबाद 33) ने 8 विकेट से टीम को जीत दिला दी।

उन्मुक्त चंद को नहीं मिली जगह, कोरी एंडरसन की चमकी किस्मत; यूएसए ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का किया एलान

नई दिल्ली।
यूएसए ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया। पहली बार आईसीसी इवेंट में वेस्टइंडीज के साथ अमेरिका संयुक्त रूप से मेजबानी करेगा। 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होगा। इस मेगा इवेंट के लिए यूएसए ने टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल को दी है।

न्यूजीलैंड की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके कोरी एंडरसन को यूएसए की टीम में जगह मिली है, जबकि भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त चंद को टीम में जगह नहीं मिली। वहीं, साल 2010 वर्ल्ड कप में भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे सौरभ नेत्रवालकर को भी जगह मिली है। मोनांक पटेल का डिप्टी एरोन जोनेस को बनाया गया है।

भारत के लिए अंडर-19 वर्ल्ड कप खेला है सौरभ ने - गौरतलब हो कि साल 2010 में खेले गए अंडर-19 वर्ल्ड कप में सौरभ नेत्रवालकर भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। वहीं, साल 2012 में उन्मुक्त चंद की कप्तानी में भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता था। भारतीय अंडर-19 टीम साल 2010 में खिताब तो अपने नाम नहीं कर पाई लेकिन सौरभ ने भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट हासिल किए थे।

टीम में किए गए हैं दो बड़े बदलाव - यूएसए क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, टीम में दो बदलावों में मध्यक्रम के बल्लेबाज गजानंद सिंह की जगह दाएं हाथ के बल्लेबाज और विकेटकीपर-ऑलराउंडर शायान जहांगीर को शामिल किया गया है और उस्मान रफीक की जगह तेज गेंदबाज अली खान को शामिल किया गया है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अमेरिका की 15 सदस्यीय टीम: -
मोनांक पटेल (कप्तान), एरोन जोनेस (उप-कप्तान), एंड्रीस गोस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेस्सी सिंह, मिलिंद कुमार, निसार्ग पटेल, नितीश कुमार, नोसतुश केनजिगे, सौरभ नेत्रवालकर, शेडली वैन शेलक्विक, स्टीवन टेलर, शायान जाहांगीर।

रिजर्व प्लेयर - गजानंद सिंह, जुआनोए ड्रेसाडाले, यासिर मोहम्मद।

लेहेका की पीठ की चोट के बाद फ़ेलिक्स ऑगर अलियासिमे फ़ाइनल में रुबलेव से भिड़ेंगे

मैड्रिड।
गैरवरीय कनाडाई फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे मैड्रिड ओपन के पुरुष फाइनल में आंद्रे रुबलेव से भिड़ेंगे। दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी को जिरी लेहेका के खिलाफ वॉकओवर मिला था, जबकि रुबलेव ने टेलर फ्रिट्ज को हराया था। ऑगर-अलियासिमे और लेहेका के बीच शाम का मैच तीन गेमों की बराबरी पर था जब चेक खिलाड़ी ने पीठ की समस्या की शिकायत की। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने उपचार के बाद भी जारी रखने का प्रयास किया, लेकिन केवल तीन अंक और टिक पाए, इससे पहले कि वह वापस लौटने की कोशिश कर रहे थे, पीड़ा में जमीन पर गिर गए और कोर्ट से बाहर निकलते समय वह लगभग रोने लगे थे। ऑगर-अलियासिमे ने कहा, मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि ऐसा हो रहा है, जब उसने (लेहेका) अपने हाथ अपनी पीठ पर रखे। मुझे उसके लिए बहुत बुरा लग रहा था। कनाडाई खिलाड़ी ने कहा, मुझे नहीं पता कि उसने क्या सोचा होगा जब उसे पता होगा कि वह जारी नहीं रख सकता। मैं वास्तव में जिरी के लिए महसूस करता हूं, लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकता। रुबलेव की शुरुआत खराब रही, क्योंकि फ्रिट्ज़ ने उनकी शुरुआती सर्विस तोड़ दी, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की और अपनी पहली सर्विस से दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी के संघर्ष का फायदा उठाया। तब से, केवल 73 मिनट तक चले मैच में फ्रिट्ज़ के लिए उनकी सर्विस और शक्तिशाली फोरहैंड भारी साबित हुए। रुबलेव ने कहा, जब उसने मेरी सर्विस तोड़ी, तो मैंने सोचा, ठीक है, यह सिर्फ शुरुआत है, हमारे पास एक लंबा सेट है और हम देखेंगे।

आईपीएल से निकला नया सितारा नीतीश

नई दिल्ली । आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा नीतीश रेड्डी ने शानदार प्रदर्शन किया है। नीतीश ने राजस्थान रॉयल्स ओर पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबलों में जिस प्रकार दबाव के बीच ही आक्रामक पारियों खेली हैं। उससे माना जा रहा है कि वह भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर सामने आयेंगे। नीतीश ने राजस्थान के खिलाफ हुए मुकाबले में जिस प्रकार दबाव के बीच ही अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई उससे उनकी क्षमताओं का अंदाज होता है। नीतीश सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। इस युवा ने अपनी पारी के दौरान 3 चौके और 8 छक्के लगाये। इस प्रकार आईपीएल से भारत को एक नई प्रतिभा मिली है। नीतीश इस मैच में जब बल्लेबाजी के लिए उतरे उस समय टीम ने 35 रन पर ही दो विकेट खो दिये थे। इसके बाद रेड्डी ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शानदार पारी खेली। रेड्डी ने शुरुआती धीमी की लेकिन बाद में उन्होंने जमकर शॉट लगाये। इस बल्लेबाज ने युजवेंद्र चहल और आर अश्विन सहित सभी स्पिनरों को जमकर पीटा। उसने इन अनुभवी स्पिनरों पर आसानी से चौके और छक्के लगाए और 42 गेंदों पर ही 76 रन बना दिये। नीतीश ने इससे पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भी शानदार पारी खेली थी। उन्होंने पंजाब के गेंदबाजों को उन्हीं के मैदान पर पीटा था। पंजाब किंग्स के खिलाफ उस मैच में नीतीश ने 37 गेंदों पर 64 रन बनाये थे। उस मैच में भी इस बल्लेबाज ने कठिन हालातों में अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

माइनिंग सेक्टर में करियर बना कमा सकते हैं लाखों

खनन भारत के सबसे मुख्य और जीडीपी में मोटे योगदान वाले सेक्टर के तौर पर जाना जाता है। यह 88 खनिजों का उत्पादन करता है जिनमें से 4 ईंधन वाले, 10 धातु वाले, 50 गैर-धातु और 24 छोटे खनिज शामिल हैं। सर्वे करने वाली संस्था मकिंजी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में भारतीय माइनिंग सेक्टर में 60 लाख नए रोजगार आने की संभावना है। इसके अलावा यह सेक्टर साल 2025 तक देश की जीडीपी में तकरीबन 4700 करोड़ डॉलर का योगदान दे रहा होगा। इसलिए वे युवा जो अभी करियर तय करने की कगार पर हैं। उनके लिए यकीनन यह फील्ड बढ़िया साबित होगी क्योंकि जितने समय वे इस फील्ड का कोर्स करके तैयार होंगे, लगभग उतने ही समय में यह क्षेत्र रोजगार की नई खेप के साथ खड़ा होगा। आइए हम आपको बताते है कि कैसे आप इस फील्ड में करियर बना अच्छी सैलरी पा सकते हैं।

इसलिए मिलेगी नौकरी

भारत छठा सबसे बड़ा लौह अयस्क का उत्पादन करने वाला और पांचवां बॉक्साइट अयस्क उत्पादक देश है। इसके पास 302 बिलियन कोयले का रिजर्व और 3000 से ज्यादा ऑपरेशनल माइंस हैं। इन अयस्कों की मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगले पंद्रह वर्षों में अयस्कों की डिमांड बढ़ कर दोगुनी हो जाएगी। जियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के अनुसार, देश में करीब 31.4 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में खनिज उपलब्ध हैं। इनमें से करीब 5.71 लाख वर्ग किलोमीटर की पहचान गैर-ईंधन और गैर-कोयला खनिज उत्पादक क्षेत्र के तौर पर की गई है। वर्तमान में करीब 4550 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को लीज पर माइनिंग के लिए दिया गया है।

माइनिंग की पढ़ाई

माइनिंग की फील्ड को मिनरल फील्ड भी कहते हैं। इसमें उन तकनीक और तरीकों की पढ़ाई होती है जिनसे कई धातुओं के अयस्क खनन के जरिए इकठ्ठा किए जाते हैं। इसमें धातु, नॉन मेटलिक, मार्बल्स, सॉलिड फ्यूल (कोयला आदि), चूना पत्थर (सीमेंट के लिए), ऊर्जा स्त्रोत और न्यूक्लियर मटीरियल शामिल रहते हैं। अयस्क हासिल करने में कई चरण की प्रक्रिया शामिल रहती है। इसमें उसे ढूंढना, वहां माइनिंग की संभावनाओं को चेक करना, माइनिंग से होने वाले मुनाफे का अंदाजा लगाना, क्षेत्र को मानिंग के लिए डिवेलप करना, माइनिंग करना, अयस्क से धातु का उत्पादन करना और मार्केटिंग करने तक की प्रक्रिया शामिल होती हैं। इसमें माइनिंग वाले बंदे को वैज्ञानिक तकनीकों और टेक्नॉलजी की मदद से ये काम करने होते हैं। किसी भी अन्य सेक्टर्स के मुकाबले माइनिंग में कैंडिडेट का भविष्य ज्यादा उज्जवल है। इसलिए अगर आप 12वीं बाद इंजीनियरिंग करने की सोच रहे हैं तो इस क्षेत्र में करियर बनाना भविष्य के लिए बढ़िया साबित होगा।

अच्छी सैलरी का क्षेत्र

सैलरी के मामले में यह सेक्टर बहुत अच्छा है। वह इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में काम बहुत है और लोग कम। इस क्षेत्र में शुरुआत ही कम से कम 25 हजार रुपये महीने से होती है। दो साल की सर्विस होते-होते सालाना सैलरी 7 लाख रुपये तक बढ़ सकती है। इसमें माइनिंग कंपनी और कैंडिडेट, दोनों की परफॉर्मेंस अहमियत रखती हैं। माइनिंग के कोर सेक्टर में सैलरी पैकेज ज्यादा मिलता है क्योंकि उसमें फील्ड जॉब होती है। कोर सेक्टर में कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनी लेवल पर कैंडिडेट को लेती हैं और एक साल की ट्रेनिंग के बाद उन्हें मैनेजर पद पर प्रमोट कर देती हैं। दूसरा हिस्सा माइनिंग लॉज, सेफ्टी और अन्य जरुरतों का होता है।

कोर्सेज

बीटेक/एमटेक इन माइनिंग इंजिनियरिंग, पीजी डिप्लोमा इन मिनरल इंजिनियरिंग, डिप्लोमा इन माइनिंग ऐंड माइन सर्वेइंग इंजिनियरिंग, पीएचडी इन माइनिंग इंजिनियरिंग/माइनिंग ऐंड मिनरल इंजिनियरिंग, माइन ऐंड क्वैरी इंजिनियरिंग, सिविल इंजिनियरिंग, मिनरल सर्वेइंग और जियॉलजी डिग्री ।

छोटी इलायची के काम हैं बड़े-बड़े जो आप नहीं जानते

इलायची एक ऐसा मसाला है जो किसी भी रसोई में असानी से मिल जाता है। इसका प्रयोग खुशबू और स्वाद के लिए किया जाता है। भारत में चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है लेकिन यह सिर्फ स्वाद बढ़ाने के काम ही नहीं आती बल्कि ये औषधि के रुप में भी काम करती है। इसके और भी कई फायदे है।

1. इसका सेवन करने से दिमाग और आंखें स्वस्थ रहती हैं। 2. इसे खाने से मुंह फ्रेश रहता है। 3. 1 - 2 इलायची चबाने के बाद हल्का गर्म पानी पीने से जुकाम और गले में खराश की समस्या से छुटकारा मिलेगा। 4. हिचकी आने पर इसे मुंह में दबाकर रखें। 5. 1 इलायची रोज खाने से शरीर के विषैले तत्व आसानी से बाहर निकल जाते हैं और पेट साफ रहता है। 6. ब्लड-प्रेशर के मरीज के लिए इलायची बहुत फायदेमंद होती है। यह बी.पी को कंट्रोल रखती है। इसमें पोटेशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। 7. इसे मुंह में रखने से लार अधिक मात्रा में बनती है,जिससे एसिडिटी की समस्या नहीं रहती। 8. नियमित रुप से इसका सेवन करने पर त्वचा की समस्या नहीं रहती।

मुंह में लार न बनने की समस्या है हाइपोसलाइवेशन...

किसी स्वादिष्ट खाद्य को देखकर या उसकी सुगंध से मुंह में आने वाला पानी स्वाद से कहीं आगे की कहानी कहता है। मुंह में बनने वाला यह पानी यानी लार बड़े काम की होती है। यही वजह है कि इसके बनने में आने वाली बाधा समस्याएं खड़ी कर डालती है। लार का कम बनना या लार की मात्रा में कमी होना, हाइपोसलाइवेशन कहलाता है। ऐसा तब होता है जब सलाइवरी ग्लैंड्स पर्याप्त मात्रा में लार का उत्पादन या स्त्राव नहीं कर पातीं। इसकी वजह से मुंह सूखा हो जाता है तथा चबाने, निगलने, स्वाद लेने, बोलने में तकलीफ होने लगती है। साथ ही दांतों में क्षति के साथ ही मुंह में कई इन्फेक्शन के होने का खतरा बड़ जाता है।

मुंह के सूखे होने को अक्सर लोग प्यास लगने का संकेत समझकर अधिक मात्रा में पानी पी लेते हैं और फलस्वरूप होने वाले फ्रीक्वेंट यूरीनेशन को समस्या समझकर घबरा जाते हैं। लार की कमी से होने वाली समस्याएं साधारण तौर पर ठीक होने वाली और गंभीर दोनों ही तरह की हो सकती हैं।

कारण

- डिहाइड्रेशन की वजह से लार बनने में बाधा आती है। यह सबसे आम कारण है। चूंकि इस समय पूरा शरीर ही पानी की कमी से गुजर रहा होता है। अत- इसका असर मुंह पर भी पड़ता है
- सलाइवरी ग्लैंड में होने वाले किसी इन्फेक्शन की वजह से भी लार की मात्रा में कमी हो सकती है। मम्प्स या अन्य बैक्टीरियल कारण भी इसमें शामिल हो सकते हैं
- किसी विशेष ऑटोइम्यून सिंड्रोम की वजह से भी लार बनाने वाली ग्रंथियों पर बुरा असर पड़ सकता है। शोध बताते हैं कि रूमेटॉयड आर्थराइटिस से पीड़ित महिलाएं अक्सर इस तरह के सिंड्रोम से ग्रसित हो सकती हैं
- लार ग्रंथियों में पनपने वाले स्टोन्स के कारण भी कई बार सूजन बढ़ सकती है और लार के निर्माण में दिक्कत आ सकती है
- कुछ विशेष प्रकार की दवाओं का सेवन भी कई बार मुंह के सूखने की स्थिति का निर्माण कर सकता है। वहीं कुछ गंभीर रोग या लार ग्रंथियों में सूजन भी ऐसी समस्या ला सकती है।

औषधियों से इलाज

लार बनने में बाधा या इसकी मात्रा में कमी से शरीर की कार्यप्रणाली पर भी बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में यदि यह समस्या बार-बार या लंबे समय तक परेशान कर रही है तो इलाज लेना जरूरी है। चिकित्सक इस समस्या के संदर्भ में लक्षणों को जांच कर असल कारण का पता लगाते हैं और उसके मुताबिक औषधियां देते हैं। ज्यादातर मामलों में साधारण इलाज से ही आराम पहुंच जाता है लेकिन गंभीर केसेस में लंबे समय तक दवाइयों लेनी पड़ती हैं। इनसे लार की मात्रा बढ़ाने की कोशिश की जाती है।

सामान्य उपाय

ड्राय माउथ की सामान्य समस्या में कुछ आसान प्राकृतिक या सामान्य उपायों को भी अपनाया जा सकता है, जिससे लार बनने में मदद मिल सकती है, जैसे-

- कम शुगर वाला च्विंगम चबाएं
- अधिक से अधिक नाक से सांस लेने की कोशिश करें
- एक ग्लास गुनगुने पानी में एक चम्मच हल्दी पावडर डालकर गारगल करें
- सेलेरी स्टिक चबाएं इससे मुंह में ड्रायनेस की समस्या कम होगी
- तत्काल लार के लिए नींबू काटकर चाटें।

यूं करें बच्चों के बालों की देखभाल

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के बालों की देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि गर्मी में पसीने के कारण कई तरह के इन्फेक्शन्स होने का डर रहता है। ऐसे में बच्चों खासतौर पर लड़कियों के बाल बांधकर रखें।

» बच्चों की उम्र के हिसाब से हेयर प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करें। 10 साल तक के बच्चों के हेयर प्रॉडक्ट बहुत माइल्ड होने चाहिए।

» बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय श्द्ध लेवल भी जांच लें। बच्चों के लिए श्द्ध लेवल 5 से 6 होना चाहिए। इससे अधिक श्द्ध लेवल हुआ तो बच्चे के बालों को नुकसान हो सकता है।

» रात में सोते समय लड़कियों के बालों पर कोई क्लिप ना लगाएं बल्कि बालों की अच्छी तरह से चोटी बना दें।

» बच्चों को बहुत तेज धूप में न खेलने दें। जब बच्चे बाहर खेलने जाएं तो उनका सिर ढककर ही उन्हें भेजें।

»शैंपू करते समय बच्चों की आंखों का भी ध्यान रखें कि गलती से भी शैंपू आंखों में न जाए।

» शैंपू हमेशा अच्छे ब्रांड का लें। शैंपू ऑर्गेनिक होगा तो बहुत ही बेहतर है।

» इसके अलावा गीले बालों में कंघी न करें और समय-समय पर बच्चों के बालों में तेल लगाते रहें जिससे उनके बालों को पोषण मिले।

» बालों की केयर के साथ-साथ डायट का भी ख्याल रखें। अच्छी डायट से बालों की सेहत भी अच्छी होगी। अच्छे बालों के लिए बच्चे की डायट में ड्राई फ्रूट्स भी शामिल करें।

मौसम भले बदले लेकिन खानपान पर हो ध्यान

बचपन के दिन मौज-मस्ती और शैतानी वाले होते हैं। इन्हीं दिनों में शरीर का विकास भी होता है, इसलिए बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। मौसम में जब बदलाव हो रहे हों तब इस संदर्भ में अभिभावकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

खासकर बारिश में जब खाद्य पदार्थों से संक्रमण के कारण सबसे ज्यादा समस्याएं पैदा होती हैं। कारण है इस मौसम में चटपटा, तला-भुना फास्ट फूड खाने के लिए बच्चों का ज्यादा मन होना। अक्सर बच्चे स्कूल जाने से पहले नाश्ता नहीं करते और स्कूल जाकर कैंटीन में दावत उड़ाते हैं। यह वैसे भी कोई अच्छी बात नहीं है, ऊपर से बारिश की घिच-पिच ऐसे में तमाम किस्म के इंफेक्शन को सीधा बुलावा देती है।

नाश्ता तो करना ही है

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ.गुप्ता बताते हैं कि मौसम कोई भी हो, बच्चों को सुबह का नाश्ता करने के लिए अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। यह सेहत के लिए बुरी बात है।

बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छा विकल्प फल और ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं जबकि इन दिनों माएं बच्चों को खुश करने के लिए जंक फूड और फास्ट फूड देकर जिम्मेदारी पूरी कर लेती हैं।

शिमला मिर्च के फायदे जानकर हैरान रह जाएंगे आप

शिमला मिर्च हरी और पौष्टिक सब्जियों में से एक है। इसमें भरपूर मात्र में पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह लाल और पीले रंग में भी मिलती है,जिसे बैल-पीपर भी कहते हैं। यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। विटामिन सी से भरपूर शिमला मिर्च में कैलोरी न के बराबर होती है। इससे बनने वाली हर डिश स्वादिष्ट और लाजबाव होती है। ज्यादातर लोग इसे नूडल्स और गार्निशिंग के लिए इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते है शिमला मिर्च के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें डाइट में शामिल करने से कई बीमारियों को दूर रखा जा सकता है।

दर्द से छुटकारा: इसमें कैप्साइसिन तत्व पाया जाता है। इसका नियमित सेवन करने से शरीर में हो रहे किसी भी अंग के दर्द से राहत मिलती है।

कब्ज:शिमला मिर्च में फाइबर होता है जिससे कब्ज की प्रॉब्लम दूर होती है और पाचन तंत्र बेहतर बनाता है।

चर्बी कम करें: इसमें कैलोरी बहुत कम होती है जो वसा को घटाने में मदद करती है। इसके सेवन से शरीर से टॉक्सिन भी निकलते है और पाचन-प्रक्रिया ठीक रहती है।

डायबिटीज: डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए भी शिमला मिर्च काफी मददगार है। यह ब्लड शुगर को स्तर करती है और डायबिटीज से बचाती है।

गठिया: शिमला मिर्च शरीर में दर्द को घटाने का काम करती है। इसके सेवन से गठिया की समस्या से भी राहत मिलती है। बाजार में मिलने वाले जेल या स्प्रे में भी इसका तत्व पाया जाता है जो दर्द को तुरंत ठीक करता है।

गर्मियों में है फ्रूट प्रिंट का फैशन

ड्रेस कैसी दिख रही है यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस ड्रेस की प्रिंट कैसी है। स्क्रीन प्रिंट, डिस्चार्ड प्रिंट, ब्लॉक प्रिंट के बाद अब ट्रेंड फ्रूट प्रिंट का है। इस लेटेस्ट वैराइटी को आप अपनी वॉरड्रोब में शामिल कर खुद को हर फंक्शन में कूल टच दे सकती हैं। इसमें आप वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल तक जो भी ड्रेस पहनें स्टाइलिश नजर आएंगी।

फ्रूट प्रिंट न सिर्फ आपको कूल लुक देंगे, बल्कि कंफर्टेबल भी होंगे। इस सीजन में हेवी वर्क वाली ड्रेसेस या बहुत डार्क कलर अच्छे नहीं लगते, ऐसे में ये ड्रेसेज आपको डिफरेंट लुक देगी। अगर आप भी फ्रूट प्रिंट वाली ड्रेसेज खरीदने की प्लैनिंग कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें-

» फ्रूट प्रिंट ले रही हैं तो फैब्रिक, कलर और एम्ब्रॉयडरी के सलेक्शन पर खास ध्यान दें।

» समय समर सीजन का है, तो हेवी की जगह लाइट फैब्रिक ही प्रेफर करें।

» तीन-चार ब्राइट कलर्स का एक ड्रेस में कॉम्बिनेशन भी काफी पसंद किया जाता है। इस टेक्नीक को कलर ब्लॉकिंग कहते हैं।

» फ्रिल्स, रफल्स का यूज भी ड्रेसेज में किया जा रहा है।

» वेस्टर्न कलेक्शन में गाउन, वन पीस, फ्लोइंग ड्रेसेस, पोलका डॉट्स, पेस्टल कलर्स ट्रेंड में हैं।

» फ्रूट प्रिंट में लेस ड्रेसेस में कई तरह के लेटेस्ट डिजाइन हैं। डेनिम या स्कर्ट के साथ पहने जाने वाले टॉप्स में डिफरेंट कट्स दिए जा रहे हैं।

पेट के बल सोने से हो सकती है ये परेशानियां

स्वास्थ्य रहने के लिए भरपूर नींद लेना बहुत जरूरी हैं। अगर नींद पूरी न हो तो सारा दिन थकावट और सुस्ती महसूस होती है। इसके अलावा अच्छी नींद के साथ सही स्थिति में सोना भी बहुत जरूरी है। गलत पोश्चर में 7-8 घंटे सोने से सेहत पर भी असर पड़ता है। इसलिए सही पोश्चर में सोना बहुत जरूरी है। अधिकतर लोग पेट के बल सोते हैं। जिससे रीढ़ की हड्डी की और कमर को नुकसान होता है।

1. कमरदर्द : पेट के बल सोने से लोगों को कमरदर्द की शिकायत होती है। अगर किसी को कमर के निचले हिस्से में और पेट में लगातार दर्द रहता है तो उनको पेट के बल कभी नहीं सोना चाहिए।

2. रीढ़ की हड्डी : पेट के बल सोने से रीढ़ की हड्डी का आकार बदलने लगता है। जो सामान्य से थोड़ा बढ़ जाता है। इसके कारण कमर के आसपास के लिगामेंट्स पर भी खिंचाव होता है।

ऐसे में क्या करें

1. अगर आपको केवल पेट के बल ही नींद आती है तो सोते समय अपने पेट के नीचे एक पतली तकिया रखें। इससे पेट में खिंचाव होगा और दर्द की समस्या नहीं होगी।

2. कमरदर्द से बचने के लिए अपने घुटने के नीचे तौलिये को मोड़कर रखें। इससे पैर के साथ कमर की मांसपेशियों में भी खिंचाव होगा।

3. सोते समय पोश्चर बदलकर सोएं।

4. इसके अलावा अपने पैर और सीने के बीच में एक तकिये को रखकर सोएं। इससे दर्द नहीं होगा।

रेसिपी

चारकोल ड्रिंक

साम्रगी

10-12 ताजी पुदीने की पत्तियां
1 नींबू (8 भाग में कटे हुए)
1 छोटे चम्मच नींबू का रस
3 छोटे चम्मच चीनी पाऊडर
4-5 बर्फ के टुकड़े
चारकोल

विधि

सबसे पहले जार में पुदीने की पत्तियों डाल कर उसे मसलें। इसके बाद नींबू के टुकड़ों को भी डाल दें। अब इसे दोबारा मसलें। अब जार में नींबू रस डालकर बर्फ के टुकड़े भी साथ में डाल दें। सारी चीजें मिलाने के बाद इसमें चारकोल मिलाएं। अब पूरे मिश्रण को अच्छे से घोल लें। जार में पाइप डाल कर चारकोल ड्रिंक का मजा उठाएं।

म्यूसली

सामग्री

1 कप क्विक कुकिंग रोल्ड ओटस
1 टेबल-स्पून कटा हुआ अखरोट
1 टेबल-स्पून कटा हुआ बादाम
1/4 टी-स्पून वैनिला का ऐसेन्स
3 टेबल-स्पून किशमिश

परोसने के लिए

3 कप ठंडा लो-फैट दूध , 99.7% वसा मुक्त
1 कप कटे हुए सेब (बिना छिले हुए)
1 कप कटे हुए केले
3 टी-स्पून शक्कर

विधि

ओटस, अखरोट और बादाम को मिलाकर एक नॉन-स्टिक पैन में धीमी आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 4-5 मिनट के लिए हल्का भून लें। पुरी तरह ठंडा कर, वैनिला का ऐसेन्स और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिला लें। हवा बंद डब्बे में रखें। परोसने के लिए, बाउल में म्यूसलि के 1/4 भाग को डालकर, 1/4 कप सेब, 1/4 को केला और 3 टी-स्पून शक्कर डालें। 3/4 कप दूध डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसे दोहराकर 3 और मात्रा बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**